www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper
bharatsamvad.live

मौसम

अधिकतम तापमान 34.c

27.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 90.450g

चांदी 91.500 kg

2 न्यायपालिका के गले पड़े अधजले नोट, संपत्ति की घोषणा जरूरी

काशी-हिंदू विश्वविद्यालय में दलित-छात्र को प्रवेश नहीं लेने का आरोप 04

वर्ष :08 | अंक :274 | मुंबई ,गुरूवार , 27 मार्च , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

हुर्रियत पर बड़ा एक्शन, पुलिस ने कश्मीर में कई जगहों पर की छापेमारी

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने प्रतिबंधित संगठनों की गतिविधियों की जांच के तहत पूर्व हुर्रियत प्रमुख अब्दुल गनी भट के आवासों सहित कश्मीर घाटी में कई स्थानों पर छापे मारे। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। श्रीनगर, बारामूला और अनंतनाग सहित कश्मीर घाटी में कई स्थानों पर दो दिनों तक तलाशी ली गई। पुलिस ने बताया कि गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज मामले जम्मू-कश्मीर मुस्लिम कॉन्फ्रेंस (भट ग्रुप), जम्मू-कश्मीर मुस्लिम लीग (मसरत आलम ग्रुप) और जम्मू-कश्मीर डेमोक्रेटिक फ्रीडम पार्टी (शब्बीर शाह ग्रुप) सहित प्रतिबंधित संगठनों से संबंधित हैं। अधिकारियों ने बताया कि भट के दो आवासों पर छापे मारे गए, एक बारामूला में और दूसरा श्रीनगर के वजीर बाग में। भट हुर्रियत कांफ्रेंस के घटक जम्मू और कश्मीर मुस्लिम कांफ्रेंस (भट ग्रुप) के प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि डेमोक्रेटिक फ्रीडम पार्टी के प्रमुख शब्बीर अहमद शाह के आवास पर भी छापेमारी की गई।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने चलाया ज्वाइंट ऑपरेशन, छापेमारी में हथियार और गोला-बारूद बरामद

अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए, स्पीयर कोर की कमान में भारतीय सेना और असम राइफल्स ने 22 मार्च से 25 मार्च के बीच दंगा प्रभावित मणिपुर के पांच जिलों में खुफिया जानकारी के आधार पर कई संयुक्त अभियान चलाए। ये अभियान मणिपुर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और भारत तिब्बत सीमा पुलिस के साथ मिलकर चलाए गए, जिसके परिणामस्वरूप 32 हथियार, गोला-बारूद और युद्ध जैसे अन्य सामान बरामद किए गए। कई एजेंसियों द्वारा की गई कार्रवाई काकचिंग, इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, सेनापति और बिष्णुपुर जिलों में की गई। बरामद सभी सामान आगे की जांच के लिए मणिपुर पुलिस को सौंप दिए गए हैं। 22 मार्च को काकचिंग जिले में असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस ने एक इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार, एक 303 राइफल, एक मॉडिफाइड कार्बाइन मशीन गन, दो सिंगल बैरल राइफल, गोला-बारूद और अतिरिक्त युद्ध-जैसे स्टोर बरामद किए। सेनापति जिले में चार बोल्ट-एक्शन राइफलें जब्त की गईं। इस बीच, इंफाल ईस्ट में दो सिंगल बैरल राइफल, दो इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार, गोला-बारूद और अन्य स्टोर बरामद किए गए। अगले दिन, 23 मार्च को भारतीय सेना ने सेनापति जिले के फैकोट से एक इंसास राइफल, एक 303 राइफल और एक सेल्फ-लोडिंग राइफल (एसएलआर) बरामद की।

'मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा, विपक्ष के लिए कोई जगह नहीं', लोकसभा अध्यक्ष पर राहुल गांधी का बड़ा आरोप

सदन अलोकतांत्रिक तरीके से चला रहे:राहुल गांधी

राहुल गांधी

रायबरेली के सांसद ने कहा कि परंपरा यह है कि विपक्ष के नेता को सदन को संबोधित करने का मौका दिया जाता है। उन्होंने कहा कि जब भी मैं खड़ा होता हूं, मुझे बोलने नहीं दिया जाता। हम जो कहना चाहते हैं, वह हमें नहीं करने दिया जाता। मैंने कुछ नहीं किया। मैं चुपचाप बैठा रहा।

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर निशाना साधते हुए विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें सदन में बोलने नहीं दिया जा रहा है और यह कार्यवाही चलाने का सही तरीका नहीं है। राहुल गांधी ने मीडिया से कहा, मुझे नहीं पता कि क्या चल रहा है। मैंने उनसे अनुरोध किया कि मुझे बोलने दें, लेकिन वह (अध्यक्ष) निकल गए। सदन चलाने का यह कोई तरीका नहीं है। अध्यक्ष बस चले गए और उन्होंने मुझे बोलने नहीं दिया। उन्होंने मेरे बारे में कुछ निराधार बातें कहीं। उन्होंने सदन को स्थगित कर दिया, इसकी कोई जरूरत नहीं थी।

रायबरेली के सांसद ने कहा कि परंपरा यह है कि विपक्ष के नेता को सदन को संबोधित करने का मौका दिया जाता है। उन्होंने कहा कि जब भी मैं खड़ा होता हूं, मुझे बोलने नहीं दिया जाता। हम जो कहना चाहते हैं, वह हमें नहीं करने दिया जाता। मैंने कुछ नहीं किया। मैं चुपचाप बैठा रहा। मैंने एक शब्द भी नहीं कहा। मुझे 7-8 दिनों से बोलने नहीं दिया जा रहा है। यह एक नई रणनीति है। विपक्ष के लिए कोई जगह नहीं है। उस दिन प्रधानमंत्री ने कुंभ मेले के बारे में बात की, मैं कुछ जोड़ना चाहता था, बेरोजगारी के बारे में बोलना चाहता था, लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया गया। मुझे नहीं पता कि स्पीकर का दृष्टिकोण क्या है, लेकिन हमें बोलने नहीं दिया जा रहा है। यह काम करने का एक गैर-लोकतांत्रिक तरीका है। वहीं, लोकसभा के उपनेता गौरव गोगोई, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और कांग्रेस सचेतक मणिकम टैगोर समेत कांग्रेस के लोकसभा सांसदों ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को सदन में मौका न दिए जाने का मुद्दा उठाया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को गांधी से सदन की गरिमा बनाए रखने के लिए सदस्यों से अपेक्षित प्रक्रिया के नियमों का पालन करने को कहा।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ सुविधाओं को लेकर भेदभाव, उनकी आवाज बुलंद करुंगा: राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों को मिलने वाले सम्मान तथा सुविधाओं में भेदभाव पूरी तरह अस्वीकार्य है और वह उन्हें न्याय दिलाने का हर संभव प्रयास करेंगे। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के सेवानिवृत्त जवानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को राहुल गांधी से संसद भवन स्थित कार्यालय में उनसे मुलाकात की। इस मुलाकात को लेकर राहुल गांधी ने बुधवार को अपने व्हाट्सएप चैनल पर पोस्ट किया, संसद भवन में छह केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के सेवानिवृत्त जवानों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात हुई। अपनी मांगों को लेकर एक विस्तृत चर्चा में उन्होंने बताया कि उन्हें मिलने वाली कल्याणकारी योजनाओं और सेवानिवृत्ति से जुड़े लाभ उनकी सेवा के अनुरूप पर्याप्त नहीं हैं।

> कांग्रेस नेता ने कहा, ह्यहमैंने कुछ नहीं किया है. मैं शांतिपूर्वक बैठा था. पिछले सात-आठ दिन में मैंने कुछ नहीं बोला. राहुल गांधी ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष दोनों की जगह होती है, लेकिन यहां पर लोकतंत्र की जगह नहीं है. पता नहीं कि लोकसभा अध्यक्ष की क्या सोच है.

शिंदे के बाद कॉमेडियन कुणाल की निर्मला सीतारमण पर पैरोडी

कहा- कमाई लूटने साड़ी वाली दीदी आई, नाम निर्मला ताई; पुलिस ने दूसरा समन भेजा

आरोप

कॉमेडियन कुणाल कामरा ने एक नया पैरोडी गाना रिलीज किया, जिसमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का मजाक उड़ाया है। भाजपा पर तानाशाही का आरोप लगाया गया।

एजेंसी

जवाब देने के लिए कॉमेडियन की समय बढ़ाने की मांग खारिज

मुंबई के खार पुलिस स्टेशन ने कॉमेडियन कुणाल कामरा को पिछले सप्ताह मुंबई के हैबिटेट सेंटर में उनके विवादास्पद बयान के सिलसिले में दूसरा समन जारी किया है और उन्हें पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। इससे पहले, मुंबई पुलिस ने कॉमेडियन को तलब किया था और उन्हें मंगलवार को सुबह 11 बजे पेश होने को कहा था। कुछ दिनों पहले महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर उनके 'देशद्रोही' वाले बयान ने व्यापक विवाद खड़ा कर दिया था। हालाँकि, जब कामरा ने अपने वकील के माध्यम से एक सप्ताह का समय मांगा तो पुलिस ने उनके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया।

मुंबई ,कॉमेडियन कुणाल कामरा ने बुधवार को नया वीडियो पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर तंज कसा है। कुणाल ने पैरोडी सॉन्ग में गाया कि साड़ी वाली दीदी लोगों की सैलरी लूटने आई हैं और उनका नाम निर्मला ताई है ।कुणाल 5 दिन में इस तरह के 3 वीडियो पोस्ट कर चुके हैं। इससे पहले 36 साल के स्टैंडअप कॉमेडियन ने 22 मार्च को अपने शो में एकनाथ शिंदे के राजनीतिक करियर पर कटाक्ष किया था। कामरा ने फिल्म 'दिल तो पागल है' के एक गाने की पैरोडी की थी, जिसमें शिंदे को गद्दार कहा गया ।इसके बाद शिंदे समर्थकों ने उस होटल में तोड़फोड़ की थी, जहां यह शो रिकॉर्ड किया गया था। इसके बाद इस लेकर कुणाल पर केस दर्ज की गई थी। उन्हें मुंबई पुलिस ने आज ही दूसरा समन भेजा है, क्योंकि वे पहले समन पर पेश नहीं हुए थे। उनके वकील ने 7 दिन का वक्त मांगा था, लेकिन पुलिस ने वक्त नहीं दिया ।कुणाल कामरा ने 25 मार्च को एक और नया पैरोडी सॉन्ग सोशल मीडिया पर पोस्ट किया।

राहुल जैसे कुछ नमूने रहने चाहिए :सीएम योगी

अजय लल्लू ने कहा..

कांग्रेस नेता अजय कुमार लल्लू ने कहा, योगी आदित्यनाथ के पास हिंदू-मुस्लिम के अलावा कोई दूसरा एजेंडा नहीं है. उन्हें राज्य में अपने द्वारा किया गया कम से कम एक विकास कार्य दिखाना चाहिए. एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, यूपी अपराधों, खासकर महिलाओं के खिलाफ अपराधों में नंबर एक है. बेरोजगारी का मुद्दा भी है.

एजेंसी

योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर बोला हमला

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 'नमूना' बताते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को राहुल जैसे कुछ नमूनों की जरूरत है ताकि रास्ता हमेशा साफ और बेहतर बना रहे। एएनआई को दिए गए एक साक्षात्कार में मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की आलोचना करते हुए इसे भारत तोड़ो अभियान करार दिया।

उन्होंने कहा कि यात्रा के पीछे राहुल गांधी के असली इरादे से हर कोई वाकिफ है।सीएम योगी ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा भारत तोड़ो अभियान का हिस्सा है। वह भारत के बाहर भारत की आलोचना करते हैं। देश उनके स्वभाव और इरादों को समझ चुका है। भारत की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी के लिए राहुल जैसा कुछ नाम होना चाहिए, जिसमें एक रास्ता हमेशा के लिए साफ होता रहे और अच्छा रहे। मुख्यमंत्री ने पिछले दस दशकों में कांग्रेस पार्टी के योगदान पर भी सवाल उठाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस अयोध्या में विवाद को जिंदा रखना चाहती थी।

राणा सांगा विवाद: करणी सेना का 'बुलडोजर' हमला

आगरा में सपा सांसद रामजीलाल का आवास घेरा, गाड़ियां तोड़ीं, कई पुलिसकर्मी घायल - सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार को घेरा, बोले- दलित हैं, इसलिए हुआ हमला

> जब करणी सेना के कार्यकर्ता सपा सांसद के आवास के बाहर जुटे तो भीड़ बेकाबू होने लगी. सोसायटी के गेट को तोड़ने की कोशिश की गई. थोड़ी ही देर में कुर्सियां फेंकी जाने लगीं. इस बीच सपा सांसद के आवास के बाहर खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ शुरू हो गई. लोगों का आक्रोश देख पुलिस ने मोर्चा संभाला. भीड़ को तितर-बितर करने का प्रयास किया गया. आखिरकार पुलिस को लाठी चलानी पड़ी. भीड़ को रोकने के लिए लगाई गई बैरिकेडिंग काम नहीं आई. हर तरफ हंगामे का माहौल रहा. इसके बाद भी लोगों का गुस्सा शांत नहीं हुआ. तोड़फोड़ और कुर्सियां फेंके जाने के दौरान कई पुलिसकर्मी घायल भी हो गए.

एजेंसी

आगराः राणा सांगा पर सपा सांसद रामजी लाल सुमन की टिप्पणी से करणी सेना का गुस्सा फूट पड़ा. बुधवार को करणी सेना के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सपा सांसद के आवास पर बुलडोजर के साथ पहुंच गए. आक्रोशित लोगों ने सपा सांसद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. आक्रोशित लोग जय श्री राम का नारा लगाते रहे. इस दौरान सांसद के आवास का गेट तोड़ने की भी कोशिश की. साथ ही तोड़फोड़ करते हुए कुर्सियां फेंकीं. इसके बाद सांसद के आवास के बाहर खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ शुरू हो गई. झड़प के दौरान कई पुलिसकर्मी घायल भी हो गए. इस दौरान तैनात पुलिस फोर्स ने आक्रोशित लोगों को शांत कराने की कोशिश की. बीच-बीच में कई बार पुलिस को लाठी चलानी पड़ी. वहीं, इस घटना के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि सांसद के घर पर हमला इसलिए हुआ क्योंकि वह दलित हैं. बुधवार को करणी सेना ने सपा सांसद के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान किया था. सुबह से ही यमुना एक्सप्रेस वे पर करणी सेना के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और क्षत्रिय समाज के लोग एकजुट होने लगे. हजारों कार्यकर्ताओं के साथ कई बुलडोजर भी थे।

हिरासत में रहकर संसद सत्र में शामिल होंगे इंजीनियर राशिद

पुलिस कस्टडी में जाएंगे लोकसभा, हाई कोर्ट से मिली मंजूरी

हाई कोर्ट ने कहा कि 26 मार्च से 4 अप्रैल के बीच प्रत्येक दिन संसद की कार्यवाही समाप्त होने पर राशिद जेल लौटेंगे। इंजीनियर राशिद के नाम से लोकप्रिय शेख अब्दुल राशिद बारामुल्ला लोकसभा क्षेत्र में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में विजयी हुए, उन्होंने उमर अब्दुल्ला को हराया, जो वर्तमान में जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री हैं।

एजेंसी

दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के बारामुल्ला लोकसभा सांसद इंजीनियर राशिद को संसद सत्र में भाग लेने की अनुमति दे दी, जिन्हें आतंकी फंडिंग मामले में गिरफ्तार किया गया है। न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह और न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी की पीठ ने निर्देश दिया कि राशिद हिरासत में संसद में भाग लेंगे और उन्हें सेलफोन या लैंडलाइन का उपयोग करने या मीडिया से बातचीत करने का अधिकार नहीं होगा ।हाई कोर्ट ने कहा कि 26 मार्च से 4 अप्रैल के बीच प्रत्येक दिन संसद की कार्यवाही समाप्त होने पर राशिद जेल लौटेंगे।

पटना में वक्फ बिल पर एआईएमपीएलबी का प्रदर्शन

शामिल हुए लालू और तेजस्वी यादव, बोले- नागपुरिया कानून को लागू नहीं होने देंगे

> इस दौरार राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि राजद नेता लालू प्रसाद यादव आपका साथ देने और आपको मजबूत करने आए हैं। हमने संसद, विधानसभा और विधान परिषद में इस असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक बिल का विरोध किया है।

एजेंसी

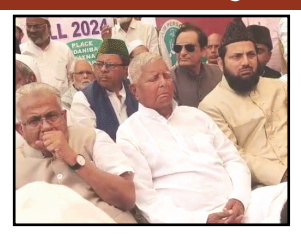

राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और राजद नेता तेजस्वी यादव वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। इस दौरार राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि राजद नेता लालू प्रसाद यादव आपका साथ देने और आपको मजबूत करने आए हैं। हमने संसद, विधानसभा और विधान परिषद में इस असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक बिल का विरोध किया है। तेजस्वी ने कहा कि आज हमने स्थगन प्रस्ताव लाकर इस पर चर्चा की मांग की, लेकिन सदन स्थगित कर दिया गया। हम आपको बताना चाहते हैं कि हम इस मुद्दे पर आपके साथ खड़े हैं। हमारी कोशिश है कि यह बिल किसी भी कीमत पर पास न हो। उन्होंने कहा कि हमलोगों किसी भी हाल में नागपुरिया कानून को लागू नहीं होने देंगे। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद भी वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए पटना पहुंचे। आजाद ने कहा कि आज देश में जिस तरह के हालात हैं, उसे समझते हुए जिसके भी अधिकारों पर हमला होगा, वो उसकी रक्षा के लिए आगे आएगा ।

भूपेश बघेल के घर सीबीआई, आईपीएस के ठिकानों पर भी छापे

अरुण साव ने कहा- जांच का हिस्सा

सीबीआई की टीम एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घर पहुंची हैं. कांग्रेस ने भाजपा पर राजनीतिक द्वेष में कार्रवाई का आरोप लगाया.

एजेंसी

दुर्गः छत्तीसगढ़ में सीबीआई का छापा पड़ा है. सीबीआई की टीम पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घर पहुंची है. इससे 15 दिन पहले 10 मार्च को ईडी की टीम पूर्व सीएम के घर पहुंची थी. जानकारी मिली है कि दुर्ग जिले में कई आईपीएस के घर भी सीबीआई पहुंची है. केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि उनकी टीम छत्तीसगढ़, भोपाल, कोलकाता और दिल्ली में 60 स्थानों पर तलाशी ली जा रही है. जिसमें राजनेताओं, वरिष्ठ नौकरशाहों, पुलिस अधिकारी शामिल है.पूर्व सीएम के घर सीबीआई के छापे में कांग्रेस ने बीजेपी पर हमला बोला है. पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि राजनीतिक द्वेष से ये कार्रवाई बीजेपी करवा रही है.

सवाल मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के आयोजन पर उठाए सवाल

किसानों की आत्महत्या को लेकर केटीआर ने साधा निशाना

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने राज्य में किसानों की आत्महत्या के बढ़ते संकट को संबोधित करने की बजाय सौंदर्य प्रतियोगिताओं को प्राथमिकता देने के लिए तेलंगाना सरकार पर तीखा हमला किया। विधानसभा में बोलते हुए केटीआर ने आगामी मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता जैसे आयोजनों पर 55 करोड़ रुपये खर्च करने के सरकार के फैसले की आलोचना की, जबकि किसान पीने या सिंचाई के पानी के बिना संघर्ष कर रहे हैं। केटीआर ने कहा कि जब राज्य संकट से जूझ रहा है, किसान आत्महत्या कर रहे हैं, तो सरकार सौंदर्य प्रतियोगिता आयोजित करने में व्यस्त है। इन आयोजनों की कोई प्रासंगिकता या आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने मांग की कि सरकार बताए कि इस तरह की प्रतियोगिताएं किस तरह से नौकरियां या राजस्व पैदा करती हैं। उन्होंने प्रशासन पर आरोप लगाया कि वे इनके वैश्विक महत्व में गिरावट के बावजूद इन्हें शानदार अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों के रूप में पेश कर रहे हैं। केटीआर ने राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक डॉ. बीआर अंबेडकर की विशाल प्रतिमा को बंद करने के लिए भी सरकार की आलोचना की और सवाल किया कि इसे पर्यटन सर्किट से बाहर क्यों रखा गया है। उन्होंने कहा कि अंबेडकर को ताले के पीछे क्यों बंदी बनाया जा रहा है? क्या वे इसे कम से कम उनकी जयंती पर खोलेंगे जब देश भर से अनुयायी आएंगे? सरकार के विरोधाभासी रुख को उजागर करते हुए केटीआर ने कहा कि सरकार ने 46 करोड़ रुपये के फॉर्मूला-ई इवेंट को रद्द कर दिया, जिसका उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स निवेश को आकर्षित करना था, इसे बेकार करार देते हुए, फिर भी सौंदर्य प्रतियोगिताओं पर 55 करोड़ रुपये खर्च किए। उन्होंने आरोप लगाया कि कैबिनेट की मंजूरी के बिना फॉर्मूला-ई को एकतरफा रद्द करने से राज्य के खजाने को 46 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, इसे मूर्खतापूर्ण निर्णय कहा।

बीआरएस नेता ने सरकार पर अपनी पर्यटन नीति में दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया और सवाल किया कि आउटर रिंग रोड को 33 साल के लिए पट्टे पर देना गलत क्यों माना गया, जबकि अब वह सरकारी जमीन और संपत्तियों को 99 साल के लिए पट्टे पर देने की योजना बना रही है. उन्होंने आउटर रिंग रोड सौदे के पिछले विरोध के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की और आरोप लगाया कि अब वह पाखंडी रवैया अपना रही है.

> विधानसभा में बोलते हुए केटीआर ने आगामी मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता जैसे आयोजनों पर 55 करोड़ रुपये खर्च करने के सरकार के फैसले की आलोचना की, जबकि किसान पीने या सिंचाई के पानी के बिना संघर्ष कर रहे हैं। केटीआर ने कहा कि जब राज्य संकट से जूझ रहा है, किसान आत्महत्या कर रहे हैं, तो सरकार सौंदर्य प्रतियोगिता आयोजित करने में व्यस्त है।

उड़ता पंजाब के खिलाफ भगवंत मान ने छेड़ा युद्ध, कराई जाएगी ड्रग जनगणना

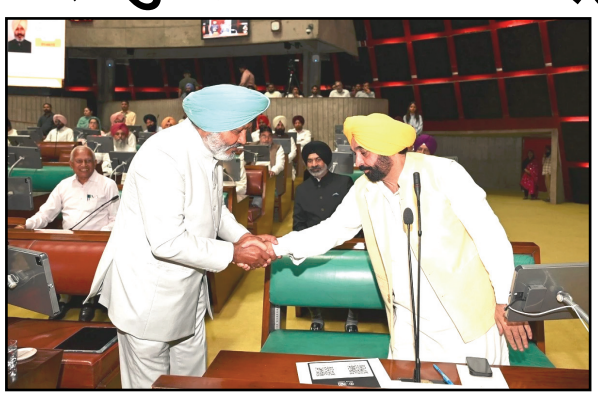

> पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने राज्य विधानसभा में अपना चौथा बजट पेश करते हुए कहा कि आप सरकार ड्रग सेंसस के आंकड़ों का इस्तेमाल अगले एक से दो साल में ड्रग्स की समस्या को खत्म करने के लिए एक प्रभावी और वैज्ञानिक रणनीति तैयार करने में करेगी।

एजेंसी

पंजाब। पंजाब में आप सरकार ने बुधवार को नशा जनगणना के लिए 150 करोड़ रुपये आवंटित किए, ताकि हर घर से डेटा एकत्र किया जा सके, ताकि नशे की व्यापकता, नशा मुक्ति केंद्रों के उपयोग और लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को समझा जा सके। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राज्य के बजट 2025-26 में घोषित नशा जनगणना नशा मुक्त राज्य की दिशा में एक साहसिक कदम है, जिसका उद्देश्य 'बदलता पंजाब' बनाना है, न कि 'उड़ता पंजाब'। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने राज्य विधानसभा में अपना चौथा बजट पेश करते हुए कहा कि आप सरकार ड्रग सेंसस के आंकड़ों का इस्तेमाल अगले एक से दो साल में ड्रग्स की समस्या को खत्म करने के लिए एक प्रभावी और वैज्ञानिक रणनीति तैयार करने में करेगी। चीमा ने कहा कि ड्रग सेंसस में हर घर को शामिल किया जाएगा और ड्रग्स के प्रचलन, नशा मुक्ति केंद्रों के उपयोग और पंजाब के लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को समझने के लिए डेटा एकत्र किया जाएगा। सरकार इस पहल पर 150 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

सम्पादकीय

दुनिया भर की चिंता बढ़ाते ट्रंप, कई देश अपना परमाणु कवच मजबूत करने के बारे में सोचने लगे

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्धविराम कराने के दोनों प्रयासों को लेकर यूरोप, पश्चिम एशिया और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के मित्र देश गहरी चिंता में हैं। युद्धविराम के जरिये शांति स्थापित कराने की ट्रंप की बेताबी किसी को बुरी नहीं लगती, लेकिन इस व्यग्रता के लिए वह जो कीमत चुकाने को तैयार हैं, उसकी वजह लोगों की समझ से परे है ।गाजा में वह फलस्तीनियों और उनके देश के अस्तित्व को संकट में डालकर और दुनिया का विरोध और निंदा झेलकर भी प्रधानमंत्री नेतन्याहू को खुली छूट देने को तैयार हैं, ताकि नेतन्याहू खुद को और अपनी सरकार को बचाए रख सकें। यूक्रेन में वह उसकी 20 प्रतिशत जमीन पर कब्जा किए बैठे पुतिन पर जमीन वापस करने और हमलों से किए विनाश की भरपाई का कोई दबाव डाले बिना युद्धविराम कराना चाहते हैं ।यह भी संभव है कि वह पुतिन की इस शर्त को मान लें कि यूक्रेन को न तो कभी नाटो की सदस्यता मिलेगी और न उसकी रक्षा के लिए नाटो की सेना वहां जा सकेगी। हो सकता है कि इसके लिए यूक्रेन की जनता की राय लेने की रस्म भी निभाई जाए, जिसमें रूस को भी खेलने की पूरी छूट मिले ।अरब और खाड़ी देशों में ट्रंप की गाजा नीति का विरोध करने की हिम्मत नहीं नजर आती। हमास और हिजबुल्ला की कमर टूटने और सीरिया में असद सरकार के पतन के कारण ईरान भी चुप है। हालांकि उसने ट्रंप की शर्तों पर परमाणु समझौता करने का प्रस्ताव ठुकरा दिया है, लेकिन ट्रंप यमन के हूतियों की कमर तोड़ने की मुहिम छेड़कर उस पर भी दबाव बढ़ा रहे हैं ।पुतिन के साथ संबंध बहाल होने के बाद संभव है कि ईरान पर रूस का भी दबाव डलवाया जाए, लेकिन पुतिन से शांति के लिए यूरोप के देश यूक्रेन की बलि देने को तैयार नहीं हैं। हंगरी, सर्बिया, स्लोवाकिया और बुल्गारिया जैसे कुछ यूरोपीय देश रूस के साथ शांति की हिमायत करते हैं, परंतु तभी तक जब तक उन्हें नाटो का संरक्षण प्राप्त है ।रूस की सीमा से लगते फिनलैंड और पोलैंड जैसे देशों और पश्चिमी यूरोप के देशों को पुतिन के इरादों पर भरोसा नहीं है। उधर जर्मनी ने रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए अपने संविधान में संशोधन किया है। ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, स्पेन और स्वीडन हर देश नाटो के बजट में अपना योगदान और रक्षा खर्च बढ़ाने वाला है ।ब्रिटेन और फ्रांस के परमाणु कवच को यूरोप के देशों के लिए उपलब्ध कराने पर भी विचार हो रहा है, ताकि अमेरिका के परमाणु कवच पर निर्भरता को कम किया जा सके। इसके विपरीत ट्रंप परमाणु हथियारों के अप्रसार की मुहिम छेड़ना चाहते हैं। रूस के साथ संबंध बहाल करने के पीछे भी उनका एक उद्देश्य परमाणु अप्रसार की प्रक्रिया को फिर से शुरू करना है ।ट्रंप का कहना है कि वह चीन, भारत, पाकिस्तान और इजरायल जैसी अन्य परमाणु शक्तियों को भी अप्रसार वार्ताओं में शामिल करना चाहते हैं।

आज का विचार

राशिफल

मेष राशि : मेष राशि के जातकों को भाई व बहनों का पूरा सुख मिलेगा. आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा और आपको नौकरी में भी प्रमोशन आदि मिलने की संभावना है. आप अपने बिजनेस में कुछ नई योजनाओं को लेकर अच्छा खासा धन लगाएंगे.

वृषभ राशि : वृषभ राशि के जातकों के लिए कल दिन शुभ सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है. आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं. आप अपने काम को लेकर यदि कोई संकल्प लेंगे, तो उसे पूरा करके ही दम लेंगे. नाओं को गति मिलेगी.

मिथुन राशि : मिथुन राशि के जातकों के कामों में यदि कुछ बाधा आ रही थी, तो वह भी दूर होंगी. आप अपने रुके हुए कामों को पूरा करने के प्रयासों में तेजी लाएंगे. आपकी अपने किसी मित्र से खटपट होने की संभावना है. परिवार में किसी सदस्य से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है.

कर्क राशि : कर्क राशि के जातकों के लिए कल दिन मान सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है. आप अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर करने के प्रयासों में तेजी लाएंगे. राजनीतिक कार्यों में आपकी छवि और निखरेगी. कुछ विशेष लोगों से आपको मिलने का मौका मिलेगा.

सिंह राशि : सिंह राशि के जातकों के लिए कल दिन अक्समात लाभ दिलाने वाला रहेगा. किसी विपरीत परिस्थिति में आपको धैर्य बनाए रखना होगा. आपको घरेलू समस्याओं का काफी अच्छा समाधान मिलेगा.

कन्या राशि : कन्या राशि के जातकों की समस्याएं कल बढ़ेंगी, क्योंकि उनके कुछ काम रुकने से उनकी टेंशने भी बढ़ेंगी. आप अपने घर परिवार में चल रही समस्याओं को लेकर वरिष्ठ सदस्यों से बातचीत करेंगे, तभी वह दूर होंगे. संतान पढ़ाई लिखाई में एकाग्र होकर जुटना होगा, तभी वह किसी परीक्षा में सफलता हासिल कर सकेगे.

तुला राशि : तुला राशि के जातकों के लिए कल दिन बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है. आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से आपका मन खुश रहेगा. आप अपने शत्रुओं पर भी कल आसानी से विजय प्राप्त कर सकेंगे.

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि के जातको को कोई लेनदेन बहुत ही सोच समझकर करना होगा. रोजगार की तलाश में लगे लोगों को बेहतर अवसर मिलेंगे. आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है.

धनु राशि : धनु राशि के जातक कल उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे, उनके मन में आप अपनी बुद्धि व विवेक से काफी कुछ पा सकते हैं. पारिवारिक जीवन में खुशियां रहेगी.

मकर राशि : मकर राशि के जातकों के लिए दिन आपके लिए किसी बड़े लक्ष्य की पूर्ति के लिए रहेगा. आपकी सेहत पहले से बेहतर रहेगी. आपको किसी कानूनी मामले में जीत मिलने से आपका मन खुश रहेगा.

कुंभ राशि : कुंभ राशि के जातकों को अपनी दिनचर्या को बेहतर बनाए रखना होगा. आपको वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करना होगा. नौकरी में कार्यरत लोग किसी नई समस्या को लेकर परेशान रहेंगे. तरक्की करते देखना आपको खुशी होगी. आपको यदि कोई शारीरिक कष्ट चल रहा था, तो वह भी काफी हद तक होगा.

मीन राशि : मीन राशि के जातक कल काफी कामों को लेकर टेंशन में रहेंगी, उनके घरेलू खर्च बढ़ने से उनकी टेंशने बढेगी. आपको व्यापार में कुछ समस्याएं आ रही थी, तो उन्हें भी आप मिल बैठकर दूर करने की कोशिश करेंगे. आपकी जिम्मेदारी बढ़ने से आपको घबराने की आवश्यकता नहीं है. आप अपने खर्चो पर लगाम लगाने की कोशिश करें. आपको बिजनेस में अच्छा लाभ न मिलने से आपका मन परेशान रहेगा. आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

न्यायपालिका के गले पड़े अधजले नोट, संपत्ति की घोषणा जरूरी

कोलेजियम व्यवस्था के चलते उच्चतर न्यायपालिका के जज एक ऐसे समूह का हिस्सा बन गए हैं जिसके कामकाज में सरकार की कोई भूमिका नहीं। बात-बात पर जवाबदेही और पारदर्शिता की जरूरत जताने वाले जज किस तरह खुद इससे बचना चाहते हैं इसका एक उदाहरण यह है कि उन्होंने यह तय कर लिया कि उनके लिए अपनी संपत्ति की घोषणा करना अनिवार्य नहीं।

दिल्ली हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के आवास पर लगी आग बुझाने के दौरान नोट जलने की घटना का जो वीडियो सुप्रीम कोर्ट की ओर से सार्वजनिक किया गया, उसमें एक दमकल कर्मी को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ह्यमहात्मा गांधी में आग लग गई भाई ।ह्ल सच यह है कि आग न्यायपालिका के प्रति भरोसे को लगी, क्योंकि इस घटना से यह धारणा प्रबल हुई है कि न्याय बिकता है ।यह अभी सामने आना शेष है कि इस मामले का सच क्या है, क्योंकि जस्टिस यशवंत वर्मा अपने को निर्दोष बता रहे हैं और खुद को फंसाए जाने की साजिश की ओर संकेत कर रहे हैं। जस्टिस वर्मा के घर आग लगने के दौरान अधजले नोट मिलने का मामला होली की रात यानी 14 मार्च का है। 21 मार्च को यह खबर आई कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट भेजने का फैसला किया। इस खबर पर उसकी ओर से यह स्पष्ट किया गया कि अभी इस पर फैसला नहीं हुआ ।उसने यह भी साफ किया कि इस प्रस्तावित फैसले का नकदी कांड से कोई लेना-देना नहीं। यदि वाकई ऐसा था तो फिर उस पर विचार हुआ ही क्यों? इस अनुत्तरित प्रश्न के बीच सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस की ओर से कराई गई प्रारंभिक जांच सार्वजनिक कर दी।

इसी में जस्टिस वर्मा के घर लगी आग बुझाने के समय के वीडियो और फोटो थे। फिर यह खबर आई कि जस्टिस वर्मा को दिल्ली हाई कोर्ट में न्यायिक काम देने से रोक दिया गया है। इसके बाद उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट भेजे जाने की खबर आई। जस्टिस वर्मा इसके पहले वहीं न्यायाधीश थे ।यदि जस्टिस वर्मा इलाहाबाद हाई कोर्ट भेजे जाते हैं तो वरिष्ठता क्रम में उनका नंबर नौवां होगा। दिल्ली हाई कोर्ट में वह तीसरे नंबर पर थे। स्पष्ट है कि उन्हें पदावनत किया जा रहा है। यदि उनका आचरण संदेह से परे है तो उनकी पदावनति क्यों और यदि संदेह से भरा है तो केवल इलाहाबाद हाई कोर्ट में वापसी क्यों? ऐसे सवालों के बीच जजों की एक तीन सदस्यीय समिति ने नकदी कांड की जांच शुरू कर दी है, लेकिन उसे कोई समयसीमा नहीं दी गई है। यह आशा तो है कि जांच जल्द होगी और दूध का दूध और पानी का पानी होगा, लेकिन इसके प्रति सुनिश्चित नहीं हुआ जा सकता। इसलिए नहीं हुआ जा सकता, क्योंकि अतीत के ऐसे मामलों का अनुभव बहुत अच्छा नहीं रहा। सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे जजों को दंडित करने में कभी कोई उत्साह नहीं दिखाया ।अगस्त 2008 में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट की जज निर्मलजीत कौर के घर 15 लाख रुपये देने गए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उससे पूछताछ में पता चला कि यह पैसा तो जज निर्मल यादव के पास जाना था। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई। उसने मामले की जांच सीबीआइ को सौंपने की सिफारिश की। सीबीआइ ने जब जज के खिलाफ मामला चलाने की अनुमति मांगी तो वह उसे नहीं मिली ।इसके बाद जब उसकी क्लोजर रिपोर्ट को खारिज कर दिया गया तो 2011 में उसने फिर मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी। इस बार उसे अनुमति मिल गई, लेकिन इस मामले का निस्तारण अब तक नहीं हो सका है। एक अन्य मामला दिल्ली हाई कोर्ट के जज शमित मुखर्जी का है। 2003 में उन पर एक बिल्डर से पैसा लेकर उसके पक्ष में फैसला देने का आरोप लगा ।उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। सीबीआइ ने उन्हें गिरफ्तार किया, लेकिन इस मामले का भी निस्तारण अब तक नहीं हो सका है। ऐसे अनेक मामले हैं और वे यही बताते हैं कि यदि भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरा कोई जज स्वत: इस्तीफा न दे तो उसे हटाना बहुत मुश्किल है। इसका पता इससे चलता है कि आज तक उच्चतर न्यायपालिका के किसी भी जज को महाभियोग के जरिये नहीं हटाया जा सका है ।चूंकि उच्चतर न्यायपालिका के जजों को संरक्षण प्रदान किया गया है, इसलिए पुलिस अपने स्तर पर उनके खिलाफ किसी मामले में जांच नहीं कर सकती। यह उचित ही है, लेकिन इसके नाम पर ऐसा भी नहीं होना चाहिए कि भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे किसी जज की जांच और उसे दंडित करना दुरूह हो जाए। यह तब तक दुरूह बना रहेगा, जब तक जज ही जजों की नियुक्ति, पदोन्नति, स्थानांतरण के साथ यह तय करते रहेंगे कि गंभीर आरोपों से घिरे किसी जज के खिलाफ जांच हो या नहीं अथवा उससे इस्तीफा मांगना है या नहीं? यह स्थिति उस कोलेजियम व्यवस्था के चलते है, जिसका संविधान में कोई उल्लेख नहीं और जो अन्य किसी प्रतिष्ठित लोकतंत्र में नहीं दिखती। 2014 में इस कोलेजियम के स्थान पर सभी दलों की सहमति से संविधान संशोधन करके राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग गठित करने की पहल की गई, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उसे असंवैधानिक करार दिया ।हो सकता है कि इस आयोग में कोई खामी रही हो, लेकिन आखिर उसे दूर करने के बजाय पूरी प्रक्रिया को ही क्यों खारिज किया गया? कोलेजियम व्यवस्था के चलते उच्चतर न्यायपालिका के जज एक ऐसे समूह का हिस्सा बन गए हैं, जिसके कामकाज में सरकार की कोई भूमिका नहीं। बात-बात पर जवाबदेही और पारदर्शिता की जरूरत जताने वाले जज किस तरह खुद इससे बचना चाहते हैं, इसका एक उदाहरण यह है कि उन्होंने यह तय कर लिया कि उनके लिए अपनी संपत्ति की घोषणा करना अनिवार्य नहीं।

रील्स की मायावी दुनिया व साहित्य

विजय गर्ग

इन दिनों रील्स और उसके कंटेंट की अच्छे और बुरे कारणों से खूब चर्चा होती रहती है। आजकल रील्स देखना बहुत ही लोकप्रिय होता जा रहा है। चकित करने वाली बात यह है कि रील्स के विषयों का फलक इतना व्यापक है कि वो किसी को भी घंटों तक रोके रख सकता है। अब तो स्थिति यह हो गई है कि रील्स में दिखाई गई बातों को सत्य माना जाने लगा है। रील्स की दुनिया में भविष्यवक्ताओं की बाढ़ आई हुई है। कोई आपके नाम के आधार पर तो कोई आपके नाम में प्रयुक्त अक्षरों की संख्या को जोड़कर आपका भविष्य बता रहा है। कई महिलाएं भी भविष्य के बारे में बात करती नजर आएंगी। वो भी बता रही हैं। कि शुक्रवार को पति के साथ किस प्रकार का व्यवहार करने से लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। कोई महिला यह बताती है कि पत्नी को हर दिन पति के पाँव दबाने चाहिए, क्योंकि लक्ष्मी जी भी विष्णु जी के पांव दबाती हैं। कोई महिला यह बताती है। कि अमुक अंक लिखकर अपने घर की तिजोरी में रख दो या अमुक नंबर के नोट अगर आपने अपने घर में पैसे रखने के स्थान पर रख दिया तो आपके पास धन की कोई कमी नहीं होगी। इसके अलावा, स्वास्थ्य विषय पर भी इनके बहुत सारे रील्स हैं कि यह खाना चाहिए या फिर यह नहीं खाना चाहिए।

इतना ही नहीं, रील्स की दुनिया में बिजनेस करने के तौर तरीकों और और जमाधन को दोगुना और तिगुना तक करने के नुस्खे भी बताए जाने लगे हैं। ये सब इतने रोचक अंदाज में बताया जाता है कि देखनेवाला मोबाइल से चिपका रहता है। आमतौर पर यह देखा जाता है कि अगर रील्स देखना आरंभ कर दें तो घंटे दो घंटे तो ऐसे ही निकल जाते हैं।

कहना न होगा कि रील्स की दुनिया एक ऐसी मनोरंजक दुनिया है जो लोगों को बेहतर भविष्य का सपना भी दिखाती है। लोगों को पैसे कमाने से लेकर घर परिवार की सुख समृद्धि के नुस्खे बताती है। ये नुस्खे कितने सफल होते हैं यह पता नहीं, क्योंकि इस तरह का कोई रील देखने में नहीं आता है कि फलां नुरखे से उनका लाभ हुआ या इस तरह की कोई केस स्टडी भी अभी तक समने नहीं आई हैं कि फलां नंबर के नोट तिजोरी में रखने से उसकी आमदनी निरंतर बढ़ती चली गई। परंतु हां, इतना अवश्य है कि रील्स एक ऐसी काल्पनिक दुनिया में ले जाता है, जहां सबकुछ मोहक और मायावी लगता है ।रील्स की दुनिया को हल्के-फुल्के मनोरंजन के तौर पर लिया जाना चाहिए। लिया जा भी रहा है। लेकिन इन दिनों साहित्य, कला और कविता से जुड़े कुछ ऐसे रोल्स देखने को मिले जो चिंतित करते हैं। हाल के दिनों में कई ऐसे रील्स देखने को मिले जिनमें सेलिब्रिटी कविता पढ़ते नजर आ रहे हैं। वो कविता किसी और की पढ़ते हैं और रील्स के डिस्क्रिप्शन में कवि का नाम लिख देते हैं। रोल में कहीं कवि का नाम नहीं होता है। सेलिब्रिटी की टीम उसको इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर पोस्ट कर देती है और अश्वत्थामा हतौ नरौ.... वाली ईमानदारी के साथ वीडियो के डिस्क्रिप्शन में कवि का नाम लिख देती है। होता यह है कि सेलिब्रिटी की पढ़ी गई कविताओं का वीडियो इन प्लेटफार्म्स से डाउनलोड करके उनके प्रशंसक उसको फिर से उन्हीं प्लेटफार्म्स पर साझा करना आरंभ कर देते हैं। प्रशंसक अश्वत्थामा वाली ईमानदारी को समझ नहीं पाते और वो सेलिब्रिटी की कविता के नाम से ही उसे साझा करना आरंभ कर देते हैं। दिनकर जी जैसे श्रेष्ठ कवियों की कविताएं तो लोगों को पता है तो उसमें यह खेल नहीं हो पाता है, लेकिन कई नवोदित कवि की कविताएं सेलिब्रिटी के नाम से चलने लगती हैं। कवि को पता भी नहीं चलता और वह कविता सेलिब्रिटी के नाम हो जाती है। रील्स की दुनिया में इस बेईमानी से कई साहित्यिक प्रतिभा कुंद हो जा रही हैं। इसका निदान कहीं न कहीं बौद्धिक जगत को ढूंढना ही चाहिए। इंटरनेट मीडिया पर बाढ़ की तरह संचालित इन रील्स का एक और नुकसान जो साहित्य का हो रहा है, वह यह कि पौराणिक ग्रंथों से बगैर संदर्भ के किस्सों को उठाकर प्रामाणिक तरीके से पेश कर दिया जा रहा है। पिछले दिनों जब इलाहाबादिया का मामला सामने आया था तो उसके कुछ दिनों बाद एक रील मेरी नजर से गुजरा। एक बेहद लोकप्रिय व्यक्ति उसमें एक किस्सा सुना रहे थे। किस्से में वह बता रहे थे कि कालिदास अपना ग्रंथ कुमारसंभव पूरा क्यों नहीं कर पाए? उनके हिसाब से कालिदास जब कुमारसंभव में पार्वती और शंकर जी की रतिक्रिया के बारे में लिखने जा रहे थे, तब पार्वती जी को पता चल गया। उन्होंने सरस्वती जी को बुलाया और कहा कि यह कौन सा कवि है और क्या लिखने जा रहा है। इसे रोकना होगा। फिर किस्सागोई के अंदाज में यह प्रसंग आगे बढ़ता है। आगे वह बताते हैं कि सरस्वती जी ने क्रोधित होकर उनको श्राप दे दिया और वो बीमार हो गए। इस कारण से कुमारसंभव पूरा नहीं हो पाया।

यहां हमें यह समझना चाहिए कि कालिदास बीमार अवश्य हुए थे। उन्हें पक्षाघात हो गया और वह भी सरस्वती के श्राप के कारण, परंतु इसे कहां से उद्धृत किया गया था, यह तथ्य भी सामने आना चाहिए। इस पूरे प्रसंग में शब्द कुछ अलग हो सकते हैं, परंतु उनका भाव यही था। इस तरह के प्रकरणों में चिंता की बात यह है कि यह पूरा प्रसंग जैसे सुनाया गया, वह विश्वसनीय सा लगता है। इसे सुनकर नई पीढ़ी के लोगों में से कई सच मान सकते हैं, विशेषकर वे जो उनके प्रशंसक हैं। इससे तो एक अलग तरह का इतिहास बनता है। बौद्धिक समाज को इस तरह के प्रसंगों पर विचार करते हुए इस पर विमर्श को बढ़ावा देना चाहिए। चिंता तब और अधिक होती है, जब इस तरह के रील बनानेवाले लोग लोकप्रिय होते हैं। रील्स की दुनिया से पहले फेसबुक ने साहित्य का बहुत नुकसान किया, विशेषकर कविता का फेसबुक के लाइक्स और कमेंट ने कवियों और रचनाकारों के दिमाग में यह बैठा दिया कि अब उनको आलोचकों की आवश्यकता ही नहीं है। वो सीधे पाठक तक पहुंच रहे हैं। ऐसे लोग यह मानते थे कि आलोचक पाठकों तक पहुंचने का एक जरिया है। जबकि आलोचकों की भूमिका उससे कहीं अलग होती है। आलोचक रचना के अंदर प्रवेश करके उसकी गांठों को खोलकर पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करता है। रचनाओं में अंतर्निहित भावों को आसान शब्दों में पाठकों को समझाने का प्रयत्न करता है। इससे रचनाकार और पाठक के बीच एक ऐसा संबंध बनता था जो फेसबुक के कमेंट से नहीं बन सकता है। फेसबुक पर जिस तरह के कमेंट आते हैं, उनमें से अधिकतर तो प्रशंसा के ही होते हैं

सजग रहे जीवन मे आने वाले पलों के लिए

संजीव ठाकुर

जीवन में कठिन परिस्थितियों कभी बता कर नहीं आतीं हैं, इसीलिए मनुष्य को हर कठिन तथा विषम परिस्थिति के लिए सदैव सजग तथा सावधान रहने की आवश्यकता है। खुशियां तथा अवसाद हर मनुष्य के जीवन के दो पहलू हैं अब यह आप पर निर्भर है कि आप इन परिस्थितियों को किस तरह अपने जीवन में आत्मसात कर संतुलित करते हैं। जीवन एक गणित की तरह है कभी-कभी दो और दो चार तथा कभी दो और दो पांच भी हो जाते हैं दो और दो पांच का मतलब विषम परिस्थितियों का सामना करना ।वैसे भी जीवन मैं ऊंचाइयां पाने के लिए सदैव संघर्षरत रहना होता है। सिर्फ मानव प्रजाति में सोचने समझने और मुस्कुराने की शक्ति होती है। मनुष्य की सर्व चेतनाओं से परिपूर्ण होता है ।पत्थरों में चेतना शून्य होती है, पेड़ पौधों में पल्लवित पुष्पित होती है, पशु पक्षियों में चलायमान होती है और मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है जिसमें मानव मस्तिष्क चिंतन मनन कर किसी समस्या का समाधान निकालता हैं यह सर्वविदित है कि मनुष्य का जीवन विभिन्न सामाजिक मानसिक संघर्षों का केंद्र होता है मनुष्य ने सदैव मानसिक शारीरिक शक्ति और दृढ़ संकल्प के बलबूते पर हर समस्या पर समय-समय पर विजय प्राप्त की है, और अपने लक्ष्य को बड़ी दृढ़ता के साथ प्राप्त किया है मनुष्य के जीवन में जब उत्साह, ऊर्जा एवं अपनी क्षमताओं के उपयोग करने का पूर्ण रूप से आत्मविश्वास होता है तो वह परिस्थितियों का सामना बखूबी कर अपने जीवन को सुचारू रूप से संचालित करता है एक मानव प्रजाति ही ऐसी प्रजाति है जिसकी संकल्प शक्ति इतनी ऊजार्वान एवं महत्वपूर्ण होती है कि वह प्रगति की विविधताओं, विषमताओं एवं अपार शक्ति को भी आसानी से नियंत्रित कर लेता है एवं उसका स्वयं के लिए समाज के लिए देश के लिए सकारात्मक उपयोग करने में भी सक्षम होता है जीवन में मनुष्य को सदैव अपने आप को व्यस्त रख कार्यशील रहना चाहिए, क्योंकि व्यस्त व्यक्ति ही किसी कार्य को उसकी परिणति तक पहुंचा सकता है ,खाली दिमाग सदैव शैतान का होता है एवं उसमें नकारात्मक विचार प्रवेश कर मन को मायूस कर देते हैं आपका मन या मनोबल या संकल्प ही जब एकाग्र चित्त ऊजार्वान तथा शक्तिशाली होगा तो आपके सामने की कितना भी क्लिष्ट व कठिन लक्ष्य हो उसमें आप सफलता अवश्य पा सकेंगे। इसलिए मनुष्य को सदैव कर्मरत रहना चाहिए ।इसका यह भी अभिप्राय है कि मनुष्य को अपने आपको सदैव स्वस्थ्य एवं व्यस्त रखना चाहिएमन में दृढ़ संकल्प रखकर हमारी दुनिया में लोगों ने ऐसे असंभव कठिन तथा दुरूह कार्यों को अपनी जड़ मानसिक शक्ति से संभव कर दिखाया है जिसकी हम कतई कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों की विपन्न स्थिति एवं आर्थिक कमी के बावजूद उन्होंने अपनी मानसिक दृढ़ता ,उच्च संकल्प शक्ति और संगठन क्षमता के दम पर भारत देश को आजाद कराया ।इसमें निसंदेह महात्मा गांधी, सरोजनी नायडू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस और न जाने कितने उदाहरण हैं जिन्होंने अपनी मानसिक शारीरिक शक्ति तथा ऊर्जा के दमखम पर देश को अंग्रेजों के चंगुल से निकाल कर आजादी की हवा की सांस लेने का देशवासियों को मौका दिया है ।हम उनका नमन करते हैं उन्हें श्रद्धांजलि भी देते हैं और उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति एवं संकल्प को आदर्श के रूप में लेकर अपने जीवन में उतारने का प्रयास भी करेंगे। दुनिया में अपनी मानसिक शक्ति और संकल्प से अनेक असंभव कार्य को सफलतापूर्वक संचालित संपादित करते हुए

वो मर जाएगा, लेकिन झुकेगा नहीं...

पुष्पा स्टाइल में संजय राउत ने किया कुणाल कामरा का समर्थन

● राउत ने कहा कि कलाकार कथित धमकियों से डरने या समर्पण करने की बजाय मरना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि कुणाल कामरा को कौन धमका रहा है और क्यों। कुणाल कामरा को मैं कई सालों से जानता हूं। वह ऐसे कलाकार नहीं हैं जो धमकियों से डर जाएं। वह झुकेगा नहीं।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः कुणाल कामरा को बुधवार को शिवसेना नेता संजय राउत का समर्थन मिला। राज्यसभा सांसद ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ कॉमेडियन के ''गद्दार' वाले बयान को लेकर उठे विवाद के बीच अपना समर्थन व्यक्त किया। राउत ने कहा कि कलाकार कथित धमकियों से डरने या समर्पण करने की बजाय मरना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि कुणाल कामरा को कौन धमका रहा है और क्यों। कुणाल कामरा को मैं कई सालों से जानता हूं। वह ऐसे कलाकार नहीं हैं जो धमकियों से डर जाएं। वह झुकेगा नहीं।एएनआई ने राउत के हवाले से कहा, वह झुकने या डरने की बजाय मरना पसंद करेंगे। जो लोग धमकियां दे रहे हैं, उन्हें जल्द ही अपने रास्ते पर चलना मुश्किल लगेगा। संजय राउत ने कुणाल कामरा विवाद पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, जिन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति इसका इस्तेमाल किसी दूसरे पर व्यक्तिगत हमले करने के लिए कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैं योगी जी की बात से सहमत हूँ -- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं है कि लोग कुछ भी बोल सकते हैं। लेकिन कामरा ने क्या कहा? उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया।

कॉमेडियन कुणाल कामरा के वीडियो पर कॉपीराइट स्ट्राइक, गुस्साए कॉमेडियन ने लिखा-कठपुतली मत बनो

कॉमेडियन कुणाल कामरा का वीडियो यू-ट्यूब से हटाया जा सकता है। टी-सीरीज की तरफ कॉपीराइट को रिपोर्ट किए जाने के बाद यू-ट्यूब ने शुरूआती रिस्ट्रिक्शन लगा दी हैं। कुणाल कामरा ने कॉपीराइट नोटिस के लिए टी-सीरीज की आलोचना की है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कृपया हटाने जाने से पहले इस डाउनलोड करके देखें।

- ○ कॉमेडियन कुणाल कामरा को कॉपीराइट नोटिस
- ○ टी-सीरीज की शिकायत पर यू-ट्यूब का एक्शन
- ○ कुणाल कामरा का टी-सीरीज के ऊपर फूटा गुस्सा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः कॉमेडियन कुणाल कामरा के जिस वीडियो पर पूरे देश में सियासी घमासान मचा हुआ है अब उस वीडियो पर कॉपीराइट उल्लंघन का मामला सामने आया है। टी-सीरीज द्वारा यू-ट्यूब को रिपोर्ट किए जाने के बाद वीडियो शेयरिंग साइट ने कुणाल कामरा के 45 मिनट के वीडियो की विजिबिलिटी और मोनेटाइज को ब्लॉक कर दिया है। कॉपीराइट उल्लंघन की नोटिस पर कुणाल कामरा की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। कुणाल कामरा ने एक्स पर टी-सीरीज को टैग करके नाराजगी व्यक्त की है। कुणाल कामरा ने लिखा है कि कठपुतली मत बनो। यू-ट्यूब पर कुणाल कामरा के इस वीडियो को 26 मार्च तक 67 लाख व्यूज हासिल हुए हैं। कुणाल कामरा ने 23 मार्च को यह वीडियो रिलीज किया था।

कुणाल कामरा ने क्या लिखा?

कुणाल कामरा ने एक्स पर इस मामले को टी सीरीज को टैग करके रिपोर्ट किया है। कुणाल कामरा ने लिखा है कि हैलो टी सीरीज... पैरोडी और व्यंग्य कानूनी रूप से उचित उपयोग के अंतर्गत आते हैं। मैंने गाने के बोल या मूल वाद्य यंत्र का उपयोग नहीं किया है। यदि आप इस वीडियो को हटाते हैं तो हर कवर गीत/नृत्य वीडियो को हटाया जा सकता है। कृपया क्रिएटर्स इस पर ध्यान दें। कुणाल कामरा ने आगे लिखा है कि भारत में हर एकाधिकार माफिया से कम नहीं है, इसलिए कृपया इसे हटाए जाने से पहले इस विशेष कार्यक्रम को देखें/डाउनलोड करें। बाद में कुणाल कामरा ने लिखा है कि आपकी जानकारी के लिए टी-सीरीज, मैं तमिलनाडु में रहता हूं।

बढ़ रहीं हैं कामरा की मुश्किलें

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के ऊपर टिप्पणी करने के बाद विवादों में घिरे कुणाल कामरा की मुश्किलें बढ़ रही है। कुणाल कामरा ने मुंबई के स्टूडियों में नया भारत नाम से शो शूट किया था। इसे कुणाल कामरा ने सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डाला था। यूट्यूब की तरफ से जहां इस वीडियो पर एक्शन हुआ है तो वहीं दूसरी तरफ उनके खिलाफ महाराष्ट्र के मुंबई और ठाणे में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। मुंबई पुलिस ने कामरा को पेश होने के लिए दूसरा समन भी जारी किया है।

फास्ट ट्रैक

नागपुर दंगा: आरोपी के परिजन बोले- बदले की भावना से हुआ डिमोलिशन, इमेज हुई खराब

- ● यूसुफ शेख के घर का एक हिस्सा ध्वस्त
- ● नगर निगम पर उठाए सवाल, कार्रवाई पर भड़के
- ● अयाज शेख ने बदले की कार्रवाई का आरोप लगाया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

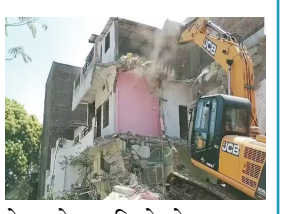

मुंबई/ नागपुर : 17 मार्च को हुई नागपुर सांप्रदायिक हिंसा के आरोपी यूसुफ शेख के भाई ने आरोप लगाया कि नगर निगम ने सभी वैध दस्तावेज और निर्माण की स्वीकृति होने के बावजूद उनके घर के एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया। अयाज शेख ने दावा किया कि उनके भाई यूसुफ शेख का मकान कानूनी रूप से बना हुआ है, लेकिन नागपुर नगर निगम (एनएमसी) ने सोमवार को उसकी बालकनी को अवैध बताकर ढहा दिया। अयाज ने इस कार्रवाई को बदले की कार्रवाई करार दिया।इससे पहले बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने यूसुफ शेख और सांप्रदायिक हिंसा के कथित मास्टरमाइंड फहीम खान की याचिका पर सुनवाई करते हुए इस तोड़फोड़ पर रोक लगा दी। अवैध हिस्सा ढहाने का दावाअधिकारियों ने दावा किया कि फहीम खान का दो मंजिला घर अवैध तरीके से बना था इसलिए उसे पूरी तरह गिरा दिया गया। वहीं, यूसुफ शेख के महल गेट क्षेत्र स्थित मकान हाई कोर्ट के हस्तक्षेप और बुलडोजर से गिराए जाने पर उसकी रोक के बाद बच गया।अयाज शेख का दावाइस रोक के बाद अयाज शेख ने आरोप लगाया कि नागपुर नगर निगम ने बदले की कार्रवाईह्न की। तोड़फोड़ रुकने के बाद अयाज शेख ने मीडिया से कहा, 'हमारा दंगों से कोई संबंध नहीं है। यह संपत्ति मेरे पिता की थी और 1970 के दशक से इसका मालिक मैं हूं। हम कानून का पालन करने वाले नागरिक हैं और हमारे इलाके में हिंदू-मुसलमान साथ रहते हैं।'

महाराष्ट्र सीएम की पत्नी अमृता फडणवीस का इंटरव्यू

- ● देवेंद्र फडणवीस के सवाल पर बोलीं अमृता फडणवीस
- ● नितिन गडकरी, उद्धव ठाकरे और शिंदे पर भी बोलीं
- ● अमृता फडणवीस ने इंटरव्यू में दिए धमाकेदार जवाब।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः कुछ दिन पहले एक कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस का अलग अंदाज देखने को मिला था। शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के नेता जयंत पाटिल ने उनसे पूछा था कि उनका पंसदीदा गायक कौन है? पत्नी अमृता फडणवीस की मौजूदगी में हुए इस सवाल के जवाब में फडणवीस ने एक कदम पीछे हटते हुए कहा था कि क्या अपनी पत्नी के सामने भी ऐसा सवाल करते हैं। फिर फडणवीस ने कहा था कि पंसदीदा गायक किशोर कुमार है और पत्नी गायिका अमृता फडणवीस हैं। फडणवीस के इस इंटरव्यू के बाद पत्नी अमृत फडणवीस अपने नए गाने लाल फरारी को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके साथ उनका भी एक इंटरव्यू सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें तमाम रोचक सवालों का जवाब दे रही हैं।

अमृता फडणवीस से हाल ही में एक मीडिया समूह के कार्यक्रम में पूछा गया है कि घर का बॉस कौन है आप या फिर चीफ मिनिस्टर? तो अमृता फडणवीस ने जवाब दिया है बिना कोई संदेह, निश्चित तौर देवेंद्र फडणवीस लेकिन सारे फैसले मैं लेती हूं। अमृता फडणवीस ने जब यह पूछा गया है कि वह मुंबई में रहती हैं। इस शहर में उन्हें खूब शोहरत मिली है। ऐसे में उन्हें कौन सा शहर पसंद है नागपुर या फिर मुंबई। इसके जवाब अमृता फडणवीस ने कहा कि नागपुर मेरा दिला है और मुंबई धड़कन।

हिंदी नहीं मराठी बोलो, वर्ना... राज ठाकरे की पार्टी वर्कर्स ने मुंबई डी मार्ट के कर्मचारी को पीटा, पकड़वाए कान

● मुंबई के अंधेरी पश्चिम इलाके में डी मार्ट स्टोर में मराठी भाषा को लेकर विवाद हिंसा में तब्दील हो गया। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने स्टोर के एक कर्मचारी को मराठी बोलने से इनकार करने पर पीटा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। राज ठाकरे की पार्टी ने बयान दिया है।

डी मार्ट में मराठी भाषा को लेकर हुई हिंसक बहस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : अंधेरी पश्चिम इलाके में वसोर्वा के डी मार्ट स्टोर में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां मराठी भाषा को लेकर ग्राहकों और स्टोर के कर्मचारियों के बीच बहस हो गई, जो बाद में हिंसा में बदल गई। बताया जा रहा है कि राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर थप्पड़ मार दिया। आरोप है कि कर्मचारी मराठी में बात नहीं कर रहा था, इसलिए उसे पीटा गया। उसके कान पकड़वाकर माफी भी मंगवाई गई।यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब डी मार्ट के एक कर्मचारी ने एक ग्राहक से कहा कि वह मराठी नहीं बोल सकता। उसे केवल हिंदी आती है और वह हिंदी में बात करेगा। इस बात से नाराज ग्राहक और कर्मचारी के बीच तीखी बहस छिड़ गई।इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं तक पहुंच गया। वीडियो देखने के बाद मनसे के वसोर्वा अध्यक्ष संदेश देसाई ने अपने कुछ कार्यकर्ताओं के साथ डी मार्ट स्टोर का दौरा किया। वहां पहुंचकर उन्होंने उस कर्मचारी की पिटाई कर दी, जिसने मराठी बोलने से इनकार किया था।

राज ठाकरे की पार्टी ने क्या कहा

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं का कहना था कि महाराष्ट्र में रहने वाले लोगों को मराठी भाषा का सम्मान करना चाहिए और उसे बोलना आना चाहिए। यह घटना स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई है। कुछ लोगों का मानना है कि यह भाषा के सम्मान का मुद्दा है, जबकि कुछ इसे गुंडागर्दी का मामला बता रहे हैं।

डी मार्ट का नहीं आया बयान

हालांकि, इस घटना के बाद भी पुलिस में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है। डी मार्ट प्रबंधन की ओर से भी इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

महाराष्ट्र में करोड़ों की सरकारी जमीन पर मुसलमानों का कब्जा, एक्शन से बचने को तीसरी मंजिल पर बना ली मजार

- ● तीसरी मंजिल पर मजार, विधानसभा में गूंजा मामला
- ● सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का मुद्दा विधानसभा में गूंजा
- ● बीजेपी विधायक संजय उपाध्याय ने पूछा सवाल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : सरकारी जमीन बनाए गए मस्जिद और मजार का मामला महाराष्ट्र विधानसभा में गूंजा। बोरीवली से बीजेपी ने विधायक संजय उपाध्याय ने कहा कि सिर्फ मुंबई में करीब 6 लाख वर्ग फिट की सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर गैरकानूनी रूप से मस्जिद और मजार बनाए गए हैं। उन्होंने सदन में कहा कि यह तीसरा अजूबा है कि तीसरी मंजिल पर मजार बनाया गया है। उन्होंने गिनाया कि कहां पर किस तरह का अतिक्रमण किया गया है। जवाब में उद्योग मंत्री उदय सामंत ने कहा कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और जहां पर गैरकानूनी कब्जा पाया गया, उसे तोड़ा जाएगा। उद्योग मंत्री ने स्वीकार किया कि साल 2001 से 2020 के बीच 20 साल में मुंबई शहर में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण कार्य किए गए हैं।

32,000 वर्ग फीट पर मजार बनाई

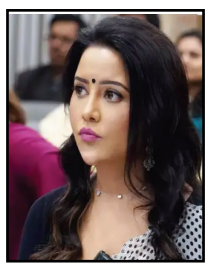

विधायक संजय उपाध्याय ने मानखुर्द, चेंबूर, कालीवाडा, वाशीनाका जैसे इलाकों में गैरकानूनी कब्जे की जानकारी सदन में रखते हुए कहा कि चेंबूर में नूर-ए-इलाही मस्जिद साल 2000 में 129 वर्ग फुट में बनी थी। अब यह बढ़कर 32,000 वर्ग फीट तक जा पहंची है। यहां 14 दुकानें और एक शादी का हॉल है। दुनिया का आठवां आश्चर्य यह है कि यहां मजार जमीन पर नहीं, बल्कि तीसरी मंजिल पर है।

मीटिंग तो की पर म्हाडा ने नहीं लिया एक्शन

छह महीने पहले म्हाडा के अधिकारियों के साथ बैठक हुई थी, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मालाड के अंबूजवाडी में अवैध धार्मिक स्थल के खिलाफ मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा के निर्देश पर तोड़क कार्रवाई की गई, लेकिन सामाजिक कार्यकर्ता मेघा पाटकर ने केस कर दिया। उपाध्याय ने मांग की कि जो भी अतिक्रमण को बढ़ावा दे रहे हैं, उन पर कार्रवाई होनी ही चाहिए। मेरा सवाल है कि प्रशासन इन पर कार्रवाई क्यों नहीं करता? उपाध्याय ने राज्य सरकार से ऐसे अवैध धार्मिक स्थलों के खिलाफ जल्द से जल्द तोड़क कार्रवाई करने की मांग की। चर्चा में मनीषा चौधरी, अनंत नर ने भाग लिया।

मंत्री ने दिया आश्वासन, तोड़क कार्रवाई करेंगे

विधायकों के सवालों का जवाब देते हुए उद्योग मंत्री सामंत ने कहा कि यह बात सही है कि मुंबई के कई सारे इलाकों में गैर-कानूनी रूप से अतिक्रमण किया गया है। म्हाडा की जमीन पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने का प्रयास किया गया।

पश्चिम रेलवे के जगजीवन राम अस्पताल में महिला स्वास्थ्य पर भारतीय रेल सम्मेलन का आयोजन किया गया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, हाल ही में मुंबई के पश्चिम रेलवे के जगजीवन राम जोनल अस्पताल में प्रतिष्ठित वार्षिक सम्मेलन JRHCON 2025 का आयोजन किया गया। साइंटिफिक एसोसिएशन ऑफ मेडिकल ऑर्गनाइजेशन जगजीवन राम अस्पताल और इंडियन रेलवे एसोसिएशन ऑफ गाइनेकोलॉजिस्ट्स एंड ऑब्सटेट्रिशियन द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का विषय था ट्रांसफॉर्मिंग वुमेंस हेल्थ थ्रू मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच,। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि के तौर पर रेलवे स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक डॉ. मान सिंह ने किया। यह कार्यक्रम पश्चिम रेलवे की प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. कोंडा अनुराधा के मार्गदर्शन और जगजीवन राम अस्पताल की चिकित्सा निदेशक डॉ. ममता शर्मा के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, JRHCON 2025 सम्मेलन एक शानदार सफलता थी, जिसमें ट्रांसफॉर्मिंग वुमेंस हेल्थ थ्रू मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच के सम-सामयिक और प्रासंगिक विषय पर चर्चा की गई। दो दिवसीय कार्यक्रम में 11 प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशकों सहित लगभग 250 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिन्होंने ज्ञान साझा किया, चचाओं में भाग लिया और महिला स्वास्थ्य में प्रगति को बढ़ावा दिया। प्रख्यात वक्ताओं ने अपनी विशेषज्ञता साझा की, जिसमें डॉ. नंदिता पलशेतकर ने एडवांस इन इन्फर्टिलिटी मैनेजमेंट पर प्रतिष्ठित डॉ. फणी धर का व्याख्यान दिया। एक निःशुल्क पेपर और पोस्टर प्रतियोगिता में 11 पेपर और 33 पोस्टर प्रदर्शित किए गए, जिसमें रेलवे स्वास्थ्य व्यवस्था में समृद्ध शोध पर प्रकाश डाला गया।अपने दौरे के दौरान, रेलवे स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक ने जगजीवन राम अस्पताल में नवनिर्मित मॉड्यूलर ऑर्थोपेडिक और नेत्र ऑपरेशन थियेटर का उद्घाटन किया, जो अस्पताल के बुनियादी ढांचे में एक महत्वपूर्ण उन्नयन को दशार्ता है। इस अत्याधुनिक सुविधा का उद्देश्य रोगी देखभाल और उपचार परिणामों को बेहतर बनाना है। अस्पताल को अपनी अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं, विशेष रूप से रेलवे लाभार्थियों के लिए प्रशंसा मिली है। विशेष रूप से जगजीवन राम अस्पताल ने स्वास्थ्य सेवा उत्कृष्टता के लिए एक उच्च मानक स्थापित करते हुए प्रतिष्ठित अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल से सर्टिफिकेट प्राप्त किया है।श्री विनीत ने बताया कि यह सम्मेलन महिला स्वास्थ्य के गतिशील क्षेत्र में सहयोग, नेटवर्किंग और सीखने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करता है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम था, जिसे प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. अनुराधा कोंडा के मार्गदर्शन में जगजीवन राम अस्पताल की इन-हाउस टीम द्वारा कुशलतापूर्वक तैयार किया गया था, जिसे सभी प्रतिनिधियों से व्यापक सराहना मिली।

काट देंगे, औकात दिखाएंगे, मुंह काला करेंगे... शिंदे पर जोक करनेवाले कुणाल कामरा को मिलीं 500 से ज्यादा धमकियां

- ● कुणाल कामरा को मिली जान से मारने की धमकियां
- ● अब तक कुणाल कामरा को आए 500 से ज्यादा कॉल
- ● कामरा ने बयान पर पछतावे से इनकार किया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर कुणाल कामरा के जोक से सियासत गरमाई है। कुणाल कामरा पर केस दर्ज हुए हैं, उन्हें पुलिस ने समन जारी किया है लेकिन वह अभी तक पेश नहीं हुए हैं। कॉमेडियन कुणाल कामरा ने मुंबई पुलिस के सामने पेश होने के लिए और समय मांगा है। इधर शिंदे की पार्टी शिवसेना के कार्यकर्ताओं से कुणाल कामरा को जान से मारने की धमकी मिल रही है।कुणाल कामरा को कम से कम 500 कॉल आए हैं जिनमें लोगों ने उन्हें जान से मारने और टुकड़े-टुकड़े करने की धमकी दी है। मुंबई के खार में हैबिटेट कॉमेडी क्लब में शूट किए गए एक शो में कामरा ने 1997 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'दिल तो पागल है' के गीत 'भोली सी सूरत' के व्यंग्यात्मक संस्करण के माध्यम से शिवसेना प्रमुख पर कुछ टिप्पणियां की थीं।कुणाल कामरा ने क्या कहाव्यंग्यात्मक गीत में कुणाल कामरा ने गाया, चेहरे पर दाढ़ी, आंखों पे चश्मा, गद्दार नजर वो आए। उन्होंने एकनाथ शिंदे की ओर इशारा किया।इस गाने का इशारा एकनाथ शिंदे के 2022 में शिवसेना को विभाजित करने और भाजपा के साथ हाथ मिलाने के संदर्भ के रूप में देखा गया था। शिंदे की बगावत के चलते उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार महाराष्ट्र में सत्ता खो दी थी।कुणाल कामरा को मिल रहीं कैसी धमकियांसंभावित खतरों पर कुणाल कामरा ने बताया कि वे अज्ञात लोगों के कॉल और मैसेज से बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'धमकियां खुले तौर पर राजनेताओं से मिल रही हैं। मैं क्या कह सकता हूं जब वे खुले तौर पर धमकी दे रहे हैं?' कुणाल कामरा को काट देंगे, जीभ काट देंगे, औकात दिखा देंगे, मुंह काला कर देंगे जैसी धमकियां मिल रही हैं।'एक हफ्ते के लिए मांगा गया'कुणाल कामरा का शो यूट्यूब पर पोस्ट होने के बाद, शिवसेना कार्यकर्ताओं ने खार में हैबिटेट कॉमेडी क्लब में तोड़फोड़ की थी।

आईआरसीटीसी द्वारा मुंबई से गर्मियों के लिए विशेष घरेलू हवाई यात्रा पैकेज की शुरूआत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) भारत सरकार के रेल मंत्रालय के तहत एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है। यह ऑनलाइन रेलवे टिकट बुकिंग, खानपान, पर्यटन, रेल नीर और आतिथ्य सेवाओं सहित कई तरह की सेवाएँ प्रदान करता है। आईआरसीटीसीका लक्ष्य भारत भर में यात्रा को हर यात्री के लिए अधिक सुविधाजनक, आनंददायक और किफायती बनाना है।भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) के पश्चिमी क्षेत्र मुंबई कार्यालय ने मुंबई से गर्मियों की छुट्टियों के लिए विशेष घरेलू हवाई पैकेज की शुरूआत की घोषणा करते हुए प्रसन्नता महसूस की है।आईआरसीटीसी पश्चिमी क्षेत्र ने घरेलू हवाई पैकेज पेश किए हैं जो यात्रियों को इस गर्मी में एक परेशानी मुक्त और यादगार छुट्टी का अनुभव प्रदान करते हैं। पश्चिमी क्षेत्र के समूह महाप्रबंधक, श्री गौरव झा ने कहा कि पैकेज परिवारों, समूह में और अकेले यात्रियों को हवाई यात्रा के आराम और सुविधा का आनंद लेते हुए उत्तर भारत के कुछ सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने हेतु एक सहज और किफायती तरीका प्रदान करते हैं।समर स्पेशल डोमेस्टिक एयर टूर पैकेज में सावधानीपूर्वक चयनित यात्रा कार्यक्रम शामिल हैं जो उत्तर भारत में अवकाश, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और दर्शनीय स्थलों का मिश्रण प्रदान करते हैं। चाहे वह हिमाचल/गंगटोक और दार्जिलिंग की शांत प्राकृतिक सुंदरता हो, कश्मीर/लद्दाख का बर्फीला अनुभव हो, चारधाम की आध्यात्मिक आभा हो, आईआरसीटीसी सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक यात्री पैकेज के भीतर एक आदर्श पलायन पा सके। श्री गौरव झा ने कहा कि हमारा लक्ष्य यात्रा को अधिक सुलभ और आनंददायक बनाना है, यह सुनिश्चित करना है कि हर यात्रा यादगार हो। ये पैकेज सुविधा, आराम और सामर्थ्य प्रदान करने के लिए डिजाइन किए गए हैं, जिससे लोगों को गर्मियों की छुट्टियों के दौरान भारत के सर्वश्रेष्ठ स्थानों को देखने का मौका मिलता है।ह्व इन पैकेजों के लिए बाजार में बहुत रुचि है और नियमित ग्राहक इन पैकेजों पर टकटकी लगाये हुए हैं, जब ये पैकेज www.irctctourism.comप र ऑनलाइन बिक्री के लिए उपलब्ध होते हैं।

आईआरसीटीसी ने सभी समावेशी कश्मीर (20.04.25; 03.05.25; 07.05.25; 18.05.25; 25.05.25 और 01.06.25), लद्दाख (05.05.25; 10.05.25; 18.05.25; 24.05.25), गंगटोक और दार्जिलिंग (19.04.25; 03.05.25 और 18.05.25), हिमाचल (28.04.25 और 19.05.25), चारधाम (24.05.25) लॉन्च किए हैं। ये पैकेज बहुत अच्छी तरह से डिजाइन किए गए हैं, किफायती और वापसी उड़ान टिकटों के साथ सभी समावेशी हैं। सभी स्थानान्तरण और दर्शनीय स्थल, भोजन*, प्रवेश शुल्क, आवास, टूर गाइड, यात्रा बीमा और जीएसटी।

आईआरसीटीसी समर स्पेशल डोमेस्टिक एयर पैकेज के लिए बुकिंग अब शुरू हो गई है। ग्राहक आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट www. irctctourism. com पर जा सकते हैं या उपलब्ध पैकेज, मूल्य निर्धारण और बुकिंग प्रक्रियाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए वेस्ट जोन मुंबई कार्यालय 8287931886 (व्हाट्सएप या एसएमएस) से संपर्क कर सकते हैं।

पीआर संख्या 2025/3/9 दिनांक 26/3/2025

यह प्रेस विज्ञप्ति आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र मुंबई के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी की गई है

दहेज के लिए बहू की हत्या

बागपत, दहेज की मांग पूरी न होने पर एक विवाहिता की हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान मुस्कान के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र के बिल्लौचपुरा गांव में यह घटना हुई। मुस्कान की शादी डेढ़ साल पहले सुहेब के साथ हुई थी। परिवार ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार मुस्लिम रीति-रिवाज के साथ दहेज दिया था। मृतका के भाई शौकीन ने बताया कि शादी के बाद से ही मुस्कान पर अतिरिक्त दहेज का दबाव बनाया जा रहा था। ससुराल वाले 5 लाख रुपए और एक कार की मांग कर रहे थे।

मध्य रेल

ई-निलामी की सूचना

मुंबई मंडल, मध्य रेलवे ने ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से ,ीशीि.सीें.ळप पर नीचे दी गई संपत्तियों कि लीजिंग के लिए ई-नीलामी का आह्वान किया है। इच्छुक बोली दाताओंको ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल में पंजीकृत होना आवश्यक है और ई-नीलामी से पहले सभी आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि नीचे उल्लिखित ई-नीलामी के विवरण जानने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें:

क्र.	श्रेणी	उपश्रेणी	नीलामी प्रारंभ
1	विज्ञापन	आरडीएन नॉन डिजिटल	27.03.2025
		आरडीएन डिजिटल	27.03.2025
		ओ ओ एच	04.04.2025
2	अन्य एनएफआर	एटीएम	26.03.2025
		प्रमोशनल किओस्क (सीएसएमटी, ठाणे)	27.03.2025
3	भुगतान एवं पार्किंग	मिश्रित	02.04.2025
4	भुगतान करें और उपयोग करें	शौचालय – तिलक नगर	27.03.2025
5	पार्सल विज्ञापनों	07 आरईएआरएलएचबीएसएलआर, 06 एसएलआरपीएल, 30 एसएलआरएस, 01 वीपी 24 एसएलआर, 02 एसएलआरएसपीएल	03.04.2025,04.04.2025, 08.04.2025,15.04.2025, 16.04.2025
6	खानपान	मुलुंड पर बहुउद्देशीय स्टॉल	28.03.2025

इसके अलावा विषय नीलामी के संबंध में, परिशिष्ट/शुद्धिपत्र, लॉट/कैटलॉग की वापसी, नीलामी की तिथि या समय में परिवर्तन, विस्तार, स्पष्टीकरण आदि, यदि कोई हो, केवल वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। बोलीदाताओं को स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर जाना चाहिए।

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे
डीआरएम (सी), सीएसएमटी 866

राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज की छात्रा तन्वी मुल्ये का वाटर पोलो एशियन चैंपियनशिप कैंप के लिए चयन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे नगर निगम के राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज और छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल, कलवा की एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा तन्वी मुल्ये को 11वें वाटर पोलो एशियाई चैम्पियनशिप शिविर के लिए चुना गया है। कैंप में चयनित 25 खिलाड़ियों में से अक्टूबर 2025 में होने वाली वाटर पोलो एशियन चैंपियनशिप के लिए संभावित टीम का चयन किया जाएगा। तन्वी फिलहाल बेंगलुरु में इस कैंप में हिस्सा ले रही हैं और यह कैंप एक महीने के लिए है। तन्वी वाटर पोलो खेल में पारंगत हैं और 2019 से विभिन्न जूनियर और सीनियर ग्रुप में राष्ट्रीय स्तर के खेलों में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीत चुकी हैं। वर्ष 2023 में भुवनेश्वर में उन्हें अंडर-20 आयु वर्ग, अंतर्राष्ट्रीय वाटर पोलो प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण लेने का अवसर भी मिला। अपने माता-पिता से प्रोत्साहित होकर, उनमें छोटी उम्र से ही वाटर पोलो का शौक विकसित हो गया। अपनी पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने शैक्षणिक वर्ष 2023 में नीट परीक्षा उत्तीर्ण करके ठाणे मनपा के राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लिया। राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज के संकाय ने भी उन्हें बेहद कठिन एमबीबीएस पाठ्यक्रम का प्रबंधन करते हुए वाटर पोलो का अभ्यास जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। कॉलेज के डीन डॉ राकेश बारोट ने कहा कि यह गर्व की बात है कि राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज के एक छात्रा का चयन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के अभ्यास शिविर के लिए हुआ है। साथ ही तन्वी को कैंप के सफल समापन और टीम में चयन के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

दूध में मिलावट करने वालों के खिलाफ मकोका के तहत कार्रवाई करने के लिए कानून में संशोधन - अजित पवार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, दूध और इसी तरह के खाद्य पदार्थों में मिलावट बहुत गंभीर मामला है। इससे लोगों की जान को खतरा है. इसे सहन नहीं किया जाएगा। दूध और इसी तरह के खाद्य उत्पादों में मिलावट करने वालों के खिलाफ मकोका के तहत सख्त कार्रवाई करने के लिए मौजूदा कानून में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने निर्देश दिया कि प्रस्ताव कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

राज्य में कई स्थानों पर एनालॉग पनीर के नाम से एनालॉग पनीर बेचे जाने तथा सोलापुर जिले के पंढरपुर तालुका के भोसे में दूध में मिली मिलावट के संबंध में विधान सभा में ध्यानाकर्षण सुझाव पर चर्चा के दौरान दिये गये आश्वासन के अनुसार उप मुख्यमंत्री अजित पवार की अध्यक्षता में विधान भवन के समिति कक्ष में एक बैठक आयोजित की गयी।

इस बैठक में खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरि जिरवाल, राज्य मंत्री योगेश कदम, विधायक सुधीर मुनगंटीवार, विधायक विक्रम पाचपुते, विधायक अभिजीत पाटील, विधायक कैलास पाटील सहित खाद्य एवं औषधि प्रशासन, चिकित्सा शिक्षा, गृह और वित्त और योजना विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सोलापुर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) वीडियो संचार प्रणाली के माध्यम से उपस्थित थे। दूध में मिलावट की जांच के लिए हर विभाग में एक प्रयोगशाला तुरंत शुरू की जानी चाहिए, अगर पनीर में एनालॉग पनीर है तो इसकी जानकारी दुकान के सामने दी जानी चाहिए। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने निर्देश दिया कि दूध में मिलावट के संबंध में सार्वजनिक जागरूकता पैदा की जानी चाहिए। एक टोल फ्री नंबर को उचित रूप से लागू किया जाना चाहिए और जनता के लिए मिलावट के संबंध में शिकायत दर्ज करने के लिए एक पोर्टल विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि दूध में मिलावट रोकने के लिए उन्नत तकनीक और उपकरण खरीदने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग को अनुपूरक मांगों में अधिक धनराशि दी जाएगी। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने यह भी निर्देश दिया कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग में अपर्याप्त जनशक्ति की कमी को दूर करने के लिए डेयरी विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सेवाएं ली जानी चाहिए और प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने सोलापुर के कलेक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) को स्पष्ट निर्देश दिया कि सोलापुर दूध मिलावट मामले में जो भी आरोपी हो, चाहे वह कितना भी बड़ा हो, उसे गिरफ्तार करें और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

फास्ट ट्रैक

गैर-कृषि कर का स्थायी उन्मूलन, नोटिस पर ध्यान न दें : संजय केलकर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , शहरी क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के संपत्ति कर के साथ-साथ राजस्व विभाग नागरिकों को लाखों रुपये के गैर-कृषि कर के नोटिस जारी कर रहा है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने सदन में यह जानकारी दी है कि गैर-कृषि कर को स्थायी रूप से रद्द कर दिया गया है जिसे लेकर विधायक संजय केलकर ने नागरिकों से इन नोटिसों पर ध्यान न देने की अपील की है। ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहा गैर-कृषि कर पिछले कई वर्षों से शहरी क्षेत्रों में भी लगाया जा रहा है और शहरी नागरिकों को स्थानीय निकायों के संपत्ति कर का भुगतान करते समय गैर-कृषि कर नोटिस का सामना करना पड़ रहा है। आम दुकानदारों, घरों, इमारतों, दफ्तरों को लाखों रुपये के नोटिस जारी किये जा रहे थे। विधायक संजय केलकर पिछले कुछ सालों से इस गैर कृषि टैक्स के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं और विधासभा अधिवेशन में अपनी आवाज उठाते रहे हैं।उनकी लड़ाई सफल हुई और इस कर को स्थायी रूप से समाप्त कर दिये जाने से नागरिकों को राहत मिली है। लेकिन आज भी नागरिक असमंजस में थे क्योंकि उन्हें राजस्व विभाग से गैर-कृषि करों के भुगतान के संबंध में नोटिस मिल रहे थे। विधायक संजय केलकर द्वारा चालू बजट सत्र में आवाज उठाने के बाद मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने कल सदन में जानकारी दी कि इस कर को 4 अक्टूबर 2024 को स्थायी रूप से रद्द कर दिया गया है।विधायक संजय केलकर ने मांग की कि ठाणे में सैकड़ों सहकारी आवास समितियां जिनके बंद हो चुके न्यू इंडिया एश्योरेंस बैंक में खाते हैं, उन्हें स्थानीय करों का भुगतान करने से छूट दी जानी चाहिए। बंद हो चुके न्यू इंडिया एश्योरेंस बैंक की ठाणे में दो शाखाएँ हैं और इसमें 10,000 से 15,000 जमाकर्ता हैं। बैंक बंद होने और खाता निकासी पर प्रतिबंध के कारण खाताधारक विभिन्न कारणों से चेक के माध्यम से भुगतान करने में असमर्थ हैं। चूंकि अधिकांश आवासीय परिसरों के खाते इस बैंक में हैं, इसलिए समितियों को मनपा संपत्ति कर, जल कर आदि का भुगतान करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए, विधायक केलकर ने बंद बैंकों के मामले में गारंटी राशि पांच लाख बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि यदि कर या बिल भुगतान की समय सीमा बढ़ाई जाती है, तो उनके खिलाफ संभावित कार्रवाई से बचा जा सकेगा।

उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के 2 हजार 365 केंद्रों पर परीक्षा 25 हजार 976 निरक्षर परीक्षार्थी शामिल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम 2022-23 से 2026-27 की अवधि के दौरान केंद्र सरकार के दिशानिदेर्शों के अनुसार कार्यान्वित किया जा रहा है। वर्ष 2024-25 के लिए बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक मूल्यांकन परीक्षा, परीक्षा ऑफलाइन मोड में आयोजित की गई थी। ठाणे जिले में परीक्षा केंद्रों की संख्या 2 हजार 365 थी इस केंद्रों में कुल 25 हजार 976 निरक्षर परीक्षार्थी शामिल हुए, जिनमें 20 हजार 219 महिलाएं और 5 हजार 757 पुरुष थे। वित्तीय साक्षरता, कानूनी साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, आपदा प्रबंधन कौशल, स्वास्थ्य देखभाल और जागरूकता, बाल देखभाल और शिक्षा, परिवार कल्याण आदि मामले शामिल हैं। देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के छात्रों के बीच व्यावसायिक कौशल विकसित करने के लिए स्थानीय रोजगार, री-स्किलिंग और अप-स्किलिंग की दृष्टि से नव-साक्षर वयस्कों के लिए निरंतर सीखने की प्रक्रिया के तहत ठाणे जिले में 25 हजार 976 निरक्षर परीक्षार्थी उपस्थित हुए। जिप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने यह जानकारी दी।परीक्षा की योजना ठाणे जिला नियामक परिषद के अध्यक्ष, जिला कलेक्टर अशोक शिंगारे और जिला कार्यकारी समिति के अध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे के मार्गदर्शन में बनाई गई थी। तालुका स्तर पर क्रमशः तहसीलदार और समूह विकास अधिकारी, तालुका विनियामक और तालुका कार्यकारी समिति के अध्यक्ष के साथ-साथ प्रिंसिपल, जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान, ठाणे के साथ-साथ छह नगर निगमों के शिक्षा अधिकारी / प्रशासन अधिकारी, पांच पंचायत समितियों के समूह शिक्षा अधिकारी, स्कूल स्तर पर विस्तार अधिकारी, केंद्र प्रमुख, संसाधन व्यक्ति, प्रिंसिपल, शिक्षक और विशेष शिक्षक के सहयोग से स्कूल प्रबंधन समिति / स्कूल प्रबंधन और विकास समितिपरीक्षा की खासियत यह है कि परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक लचीला रखा गया है. वास्तविक पेपर की अवधि 3 घंटे थी। विकलांग व्यक्तियों के लिए 30 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया। ठाणे जिले में परीक्षा आठ माध्यमों मराठी, हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, तेलुगु, तमिल, गुजराती और कन्नड़ में आयोजित की गई थी।परीक्षा के दौरान परिपक्व परीक्षार्थियों में उत्साह व आत्मविश्वास रहा। दिलचस्प बात यह है कि, जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय, देवोली, केंद्र - कन्होर, तालुका - अंबरनाथ, जिला - ठाणे की 72 वर्षीय दादी ने इस उम्र में सीखने और परीक्षा के बारे में अपनी खुशी व्यक्त की।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के प्रति अपशब्द कहने वाले कुणाल कामरा के विरुद्ध अंबरनाथ में जोरदार विरोध प्रदर्शन।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ.स्टैंडअप कॉमेडियन, अभिनेता, लेखक कुणाल कामरा द्वारा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के लिए अपने कॉमेडी शो में गद्दार शब्द का प्रयोग करने से रूष्ट होकर शिवसेना ने जोरदार विरोध दर्ज किया। हेबिटेड कॉमेडी क्लब जहां पर शो शूट हुआ था वहां पर तोड़फोड़ भी की गई। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी है कि अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब यह नहीं होता कि आप किसी और की मयार्दा का ध्यान ही न रखे।

अंबरनाथ शहर के शिवसेनिकों ने विशेष कर महिला विंग की सदस्यों ने शहर के पूर्वी भाग में स्थित शिवाजी चौक परिसर में कुणाल कामरा के इस दुष्कृत्य का जोरदार विरोध दर्ज किया। कुणाल कामरा और संजय राउत के विरोध में जमकर नारेबाजी की गई। इस विरोध प्रदर्शन में अंबरनाथ नपा के पूर्व नगरसेवक सुभाष सालुंके, महिला विंग शिवसेना की उपनेता विजया पोटे, महिला जिला संगठक छाया वाघमारे, संवाद फाउंडेशन की अध्यक्षा सुवर्णा सालुंके, पूर्व नगराध्यक्ष प्रज्ञा बनसोडे, मालती पवार आदि पदाधिकारियों के साथ अन्य कार्यकता भी उपस्थित रहे।शिवसेना नेता सुभाष सालुंके ने कुणाल कामरा जैसे लोगों को नसीहत करते हुए कहा कि अपनी जबान का इस्तेमाल सोच समझ कर करें अन्यथा शिवसेना के प्रतिबद्ध शिवसैनिक ऐसे लोगों के प्रति चुप नहीं बैठेंगे।

कुमार आयलानी ने स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आंबिटकर से मुलाकात कर विभिन्न मांगों को उनके समक्ष रखा।

आवश्यक जीवनरक्षक दवाओं की जल्द हो आपूर्ति।

मध्यवर्ती अस्पताल की विभिन्न समस्याओं को दूर कर, इसकी क्षमता 400 बेड करने की मांग।

डॉ.मनोहर बनसोडे के निलंबन को रद्द करने के लिए दिया पत्रभारत

संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. स्थानीय आमदार कुमार आयलानी ने अपनी विधानसभा क्षेत्र की स्वास्थ्य विषयक समस्याओं के समाधान और उससे जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर बुधवार को बजट सत्र के अंतिम दिन महाराष्ट्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आंबिटकर से उनके कार्यालय में भेंट कर विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए पत्र दिया। स्वास्थ्य मंत्री की तरफ से विभिन्न मांगों को गंभीरता से सुना गया और समस्याओं के समाधान के लिए विश्वस्त रूप से आश्वासन भी दिया गया। इस मुलाकात में आमदार कुमार आयलानी ने स्वास्थ्य मंत्री को उल्हासनगर के मध्यवर्ती अस्पताल में बेड की संख्या 400 करने, दैनिक रूप से अत्यावश्यक दवाओं की कमी, ऑक्सीजन, स्पिरिट व नाइट्रस रिफिल के लिए अनुदान, ओपीडी के लिए नई तीन मंजिला इमारत के लिए निधि, थैलेसेमिया मरीजों के लिए कम पड़ रही आवश्यक दवा केल्फर व अन्य औषधियों को उपलब्ध कराने की मांग की। इसके साथ ही मध्यवर्ती अस्पताल के जिला शल्य चिकित्सक डॉ.मनोहर बनसोडे का निलंबन रद्द करने जैसे अन्य मुद्दों पर बातचीत कर उनको वस्तुस्थिति से अवगत कराया। स्वास्थ्य मंत्री की तरफ विभिन्न मांगों के प्रति सकारात्मक रुख दिखाया गया। संभावना है कि कुमार आयलानी की इस पहल से शहर की स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज होगा और शहर में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार होगा।

राजस्थानी समाज ने धूमधाम से मनाया गया गणगौर मेला

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , राजस्थानी समाज द्वारा गणगौर मेला हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। यह पर्व भगवान शिव और देवी पार्वती की श्रद्धा में मनाया जाता है। इस मेले में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों हिस्सा लिया। राजस्थानी समाज ठाणे द्वारा रेमंड रियलिटी, तुलसी स्टूडियो के सहयोग रविवार को वर्तक नगर स्थित रेमंड ग्राउंड पर मेले का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के आयोजक ओमप्रकाश झाझूका ने बताया की मेले की शुरूआत भव्य शोभायात्रा के साथ गई। जिसमें समाज की महिलाओं ने बड़ी संख्या में नाचते गाते हुए भाग लिया। शोभायात्रा रेमंड हनुमान मंदिर से रेमंड हिमालय ग्राउंड तक निकाली गई थी। शोभायात्रा के बाद विक्रम संवत के प्रसंग सहित नवरात्र, प्रहलाद, रामनवमी, जगन्नाथ भगवान जैसे विविध प्रसंगों को नाटक के जरिए प्रस्तुत किया गया। समाज की महिलाओं द्वारा शिवरात्रि, गणगौर और फूलों की होली पर नृत्य प्रस्तुत किया गया। साथ ही कार्यक्रम का सम्मान तुलसी और शालिग्राम भगवान की शादी के साथ किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने मेहंदी, टैटू, बैंगल्स, नेल आर्ट, सेल्फी पॉइंट, 360 कैमरा व बच्चों के लिए गेम जॉन जैसे विविध मनोरंजन कार्यक्रमों का आनंद उठाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में रेमंड निदेशक एस एल पोखरना, रेमंड के सीईओ सन्दीप महेश्वरी, रेमंड रिएलिटी के प्रशांत राठौड, संजीव सरीन, विशाल शर्मा, खोजेश्वर कौशिक व अन्य मान्यवर उपस्थित थे। रेमंड निदेशक पोखरना ने राजस्थान समाज को सराहते हुए कहा की गणगौर एक शक्ति का प्रतीक इसे राजस्थानी लोग बड़े पारंपरिक तरीके से मनाते हैं, उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी का अभिनंदन किया। साथ ही रेमंड के सीईओ सन्दीप महेश्वरी ने राजस्थान समाज का अभिनंदन कर सभी राजस्थानियों को गणगौर की शुभकामनाएं दी।

किरण भोईर को कलेक्टर अशोक शिंगारे ने 'निक्षय मित्र' पुरस्कार से किया सम्मानित।

किरण भोईर को तीसरी बार निक्षय मित्र का पुरस्कार प्रदान किया गया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बदलापुर. कुलगांव-बदलापुर नगरपालिका के पूर्व नगरसेवक किरण भोईर को ठाणे जिले के कलेक्टर अशोक शिंगारे ने महाराष्ट्र शासन सार्वजनिक आरोग्य विभाग द्वारा प्रदत्त निक्षय मित्र पुरस्कार से सम्मानित किया। निक्षय मित्र पुरस्कार राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री टीवी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत क्षय रोगियों को पोषण किट प्रदान करने वाली शख्शियत को सम्मानपूर्वक प्रदान किया जाता है। इससे पूर्व भी किरण भोईर दो बार निक्षय मित्र का पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। किरण भोईर ने विगत पांच वर्षों से तपेदिक रोग से प्रभावित रोगियों की निर्बाध सेवा की है।

तपेदिक रोगियों की सेवा के उनके इस अभियान में उनकी पत्नी डॉ.रचना भोईर ने भी उन्हें बहुमूल्य और भरपूर सहयोग दिया है।

किरण भोईर टीबी रोगियों से मिलने जाते हैं और उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछते हैं और उन्हें दवा देने में मदद करते हैं। उनके द्वारा प्रत्येक टीबी रोगी से घर घर जाकर मुलाकात की जाती और उनका हालचाल जाना जाता है। उनके द्वारा गुप्त रूप से इन मरीजों को हर माह पोषण किट उपलब्ध कराने का काम किया जाता है।प्रथम बार यह पुरस्कार किरण भोईर को महाराष्ट्र के राज्यपाल के हाथों प्रदान किया गया था। इसके पश्चात के दोनों पुरस्कार कलेक्टर के हाथों मिले हैं।

किरण भोईर ने टीबी मुक्त शहर संकल्पना को साकार करने के इरादे से लगभग 600 टीबी रोगियों को छह महीने की संपूर्ण पोषण किट वितरित की है। पत्नी डॉ.रचना भोईर के साथ मिलकर वे इनकी टीबी रोगियों की सेवा में लगे रहते हैं। किरण भोईर का कहना है हम दोनों का लक्ष्य है बदलापुर शहर को क्षय रोग से मुक्त बनाना।

टोरेंट पावर कंपनी ने ग्राहकों के लिए आयोजित की इफ्तार पार्टी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , टोरेंट पावर की ओर से शिल-मुंब्रा-कलवा विभाग के उपभोक्ताओं के लिए आयोजित दावत-ए-इफ्तार को लोगों का बहुत ही उत्साहजनक समर्थन मिला। टोरेंट पावर कंपनी अपने सामाजिक दायित्व के रूप में हर वर्ष दावत्ए् इफ्तार पार्टी का आयोजन करती है। इस वर्ष भी एकजुटता बढ़ाने और सामुदायिक संबंध बनाने के उद्देश्य से टोरेंट पावर द्वारा एक भव्य इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। रमजान का महीना चल रहा है, आज २५ मार्च २०२५, मंगलवार को टोरेंट पावर द्वारा शील-मुम्ब्रा-कलवा के नागरिकों के लिए डायमंड बैंक्वेट हॉल - कौसा में एक इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया था।इस कार्यक्रम में शहर के जाने-माने मान्यवरों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी पुलिस थानों के अधिकारी, ठाणे नगरनिगम के अधिकारी, प्रसिद्ध राजनीतिक हस्तियां, मीडिया के विभिन्न लोग, और क्षेत्र के प्रसिद्ध नागरिक सभी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।इस अवसर पर जीवन क्लर्क-उपाध्यक्ष, जय पंड्या-महाप्रबंधक, चेतन बदियानी-वरिष्ठ पीआरओ, ब्रिगेडियर विनय बहल -सुरक्षा प्रमुख जैसे वरिष्ठ अधिकारियों सहित टोरेंट की टीम ने सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया। मौलाना तंजीम ने उपस्थित अतिथियों को रमजान और इफ्तार का महत्व समझाया। अतिथियों ने टोरेंट पावर की व्यवस्था की सराहना की और कहा कि ऐसे सामाजिक कार्यक्रम से शहर के नागरिकों के बीच सहयोग, शांति और सद्भाव में मदद मिलती है। टोरेंट पावर के पीआरओ चेतन बदियानी ने संवाददाता को बताया कि इस तरह के आयोजनों से कंपनी और सामाजिक समुदाय के बीच संबंध मजबूत होते हैं।

आमदार कुमार आयलानी ने मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले से बढ़े हुए पानी के बिलों को रोकने के लिए पत्र लिखा।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. अभी हाल ही में जारी किए गए मनपा के बजट 2025-26 में पानी के बिल में वृद्धि के प्रस्ताव का स्थानीय आमदार कुमार आयलानी ने मंगलवार को लिखित पत्र के द्वारा मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले के समक्ष जोरदार विरोध दर्ज कराया है। पत्र में उन्होंने स्पष्ट किया है कि शहर के नागरिक पहले से ही जल संकट से जूझ रहे है और ऐसे में पानी के बिलों में अतिरिक्त वृद्धि कोढ़ में खाज का काम करेगी। इससे जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ेगा। जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार के बाद ही बिलों में वृद्धि न्यायसंगत होगी। उन्होंने कहा कि शासन और सरकार स्तर पर शहर की जलापूर्ति व्यवस्था को सुचारू करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने तत्काल प्रभाव से बढ़े हुए बिलों को रोकने का निवेदन किया है। नागरिकों के हितों और अधिकारों के लिए उनके स्तर पर निरंतर कार्य किया जाता रहेगा।

काशी-हिंदू विश्वविद्यालय में दलित-छात्र को प्रवेश नहीं लेने का आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, पंचशील सोशल वेल्फेयर सोसाइटी ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय में जातिगत भेदभाव का मामला उठाया है। सोसाइटी के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मामला एक अनुसूचित जाति के छात्र से जुड़ा है, जिसने विश्वविद्यालय में पीएचडी के लिए आवेदन किया था। सोसाइटी का आरोप है कि विश्वविद्यालय में तीन सीटें खाली होने के बावजूद केवल दो सीटों पर ही प्रवेश दिया जा रहा है। इस प्रक्रिया में दलित छात्र को प्रवेश से वंचित कर दिया गया। पदाधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई न केवल उच्च शिक्षा के मानकों के खिलाफ है, बल्कि सामाजिक न्याय के भी विपरीत है। उन्होंने इस मामले की गंभीरता से जांच कराने और छात्र को न्याय दिलाने की मांग की है। सोसाइटी ने उत्तर प्रदेश के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में जातिगत भेदभाव और भेदभाव पूर्ण नीतियों पर भी चिंता जताई है। उन्होंने ऐसी प्रथाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

ट्रम्प ने वोटिंग नियम बदले, अब नागरिकता का सबूत जरूरी

पासपोर्ट दिखाना होगा; कहा- भारत में बायोमीट्रिक इस्तेमाल हो रहा, हम पुराने तरीके पर अटके

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को चुनावी प्रकिया में बदलाव से जुड़े एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए। इसके तहत अमेरिकी नागरिकों को वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए नागरिकता का प्रमाण देना होगा। ट्रम्प प्रशासन के अधिकारियों के मुताबिक इसका मकसद वोटर लिस्ट में अवैध रूप से शामिल अप्रवासियों पर नकेल कसना है। अभी अमेरिका के कई राज्यों में वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए पासपोर्ट या बर्थ सर्टिफिकेट दिखाने की जरूरत नहीं पड़ती है। ट्रम्प ने 2020 के चुनाव में अपनी हार के पीछे फर्जी मतदान को वजह बताया था। हालांकि, ट्रम्प के इस आदेश को राज्यों ने कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी कर ली है। आदेश में ट्रम्प ने कहा कि भारत और ब्राजील के मतदाता किसी भी व्यक्ति की पहचान को बायोमीट्रिक डेटाबेस से जोड़ रहे हैं, जबकि अमेरिका में नागरिक इसके लिए काफी हद तक सेल्फ अटेस्ट करने पर निर्भर हैं। अमेरिका में वोटिंग

को लेकर कोई एक जैसे नियम नहीं है। हर राज्य के अपने अलग कानून हैं। टेक्सास, जॉर्जिया और इंडियाना जैसे राज्यों में वोटिंग की प्रक्रिया बेहद सख्त है। यहां पर वोट डालने के लिए फोटो आईडी (जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट) दिखाना जरूरी है। वहीं, कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क और इलिनॉय जैसे राज्यों में वोटिंग को लेकर उतने सख्त नहीं हैं। इन राज्यों में नाम और पता बताकर या फिर कोई दस्तावेज जैसे कि बिजली का बिल दिखाकर वोटिंग की जा सकती है। इसके अलावा मिशिगन जैसे राज्यों में वोट डालने के दौरान फोटो आईडी मांगी जाती है। अगर किसी के पास यह नहीं है तो वह एक हलफनामा साइन कर वोट कर सकता है। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर वह आदेश होते हैं जो राष्ट्रपति द्वारा एकतरफा जारी किए जाते हैं। ये आदेश कानून की शक्ति रखते हैं। इन्हें कांग्रेस की मंजूरी की जरूरत नहीं होती। कांग्रेस इन्हें पलट नहीं सकती। हालांकि, इन्हें अदालत में चुनौती दी जा सकती। ट्रम्प के चुनावी वादों को पूरा करने के मकसद से इन एग्जीक्यूटिव ऑर्डर को तैयार किया गया है। नागरिकता साबित करने की जरूरतः वोटिंग के लिए नागरिकता का सबूत, जैसे पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस देना जरूरी होगा। राज्यों से सहयोग की अपीलः ऑर्डर में राज्यों को सहयोग करने, वोटर लिस्ट को संघीय सरकार के साथ शेयर करने और चुनाव से जुड़े अपराधों की जांच में मदद की अपील की गई है। मेल-इन बैलट की समय सीमाः चुनाव खत्म होने के बाद मिलने वाले मेल-इन बैलट को अवैध माना जाएगा। नियम ना मानने पर फंडिंग में कटौतीः ऑर्डर में साफ-साफ कहा गया है कि अगर कोई राज्य इन नए नियमों का पालन नहीं करता तो उनको दी जाने वाली फंडिंग मदद में कटौती की जा सकती है। डेमोक्रेटिक पार्टी आमतौर पर मतदान के लिए जरूरी वोटर आईडी की मांग का विरोध करती रही है।

पार्टी इसके पीछे वजह देती रही है कि इससे गरीब, अल्पसंख्यक, बुजुर्ग और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों के लिए वोट करना मुश्किल हो जाएगा। दरअसल, अमेरिका में हर किसी के पास सरकारी आईडी नहीं होती, खासकर अश्वेत, लैटिनो और गरीब समुदायों के लोगों के पास। डेमोक्रेटिक पार्टी मानती है कि इससे ये लोग वोटिंग प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे।

नर्स के एक फैसले ने बचाई पोप की जान

दोनों फेफड़ों में निमोनिया संक्रमण था, हालत न सुधरने पर इलाज बंद करने वाले थे डॉक्टर

एजेंसी

रोम, पोप फ्रांसिस मौत के इतने करीब पहुंच गए थे कि मेडिकल टीम ने उनका इलाज रोकने का फैसला कर लिया था, ताकि वे शांति से मर सकें। हालांकि पोप की नर्स इससे सहमत नहीं हुईं। उन्होंने आखिरी वक्त तक पोप का इलाज जारी रखने को कहा। पोप फ्रांसिस का इलाज करने वाले डॉक्टरों ने खुद यह खुलासा किया है। 88 साल के पोप फ्रांसिस को सांस की बीमारी के कारण फरवरी में हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। 5 हफ्ते बाद 23 मार्च को उन्हें छुट्टी दे दी गई। उल्टी को अंदर लेने के चलते परेशानी बढ़ गई थी फ्रांसिस रोम के जेमेली अस्पताल में

भर्ती थे। इस दौरान उन्हें कम से कम चार बार सांस लेने में गंभीर परेशानी हुई। सबसे ज्यादा दिक्कत 28 फरवरी को हुई। तब उन्होंने उल्टी को अंदर ले लिया था, जिससे उनके फेफड़े पर दबाव बढ़ा और सांस रुक गई थी। अस्पताल के सर्जन सर्जियो अल्फीरी ने एक इंटरव्यू में कहा- पोप की हालत बदतर हो चुकी थी। हमें पूरी तरह से यकीन हो गया था कि वे अब बच नहीं पाएंगे। हमें यह चुनना था कि उनका इलाज रोक दें या फिर इलाज के दूसरे रास्ते अपनाएं। इसमें उनके भीतरी अंगों को नुकसान पहुंचने का खतरा ज्यादा था। पोप की निजी नर्स मैसिमिलियानो स्ट्रेपेटी से जब इलाज बंद करने को लेकर राय पूछी गई तो उन्होंने साफ इनकार कर दिया। उन्होंने मेडिकल टीम को इलाज जारी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने टीम से सब कुछ आजमाने और हार न मानने को कहा। अल्फीरी ने कहा कि पोप को भी यकीन हो गया था कि वे रातभर से ज्यादा जीवित नहीं बच पाएंगे, लेकिन नर्स के दबाव डालने के बाद डॉक्टरों ने नए सिरे से इलाज शुरू किया। इसका फायदा भी मिला और उनकी हालत में सुधार दिखने लगा। डॉक्टरों ने 10 मार्च को घोषणा की कि अब उन्हें कोई खतरा नहीं है। जैसे ही पोप को बेहतर महसूस होने लगा, वे अपनी व्हीलचेयर पर वार्ड में घूमने लगे। एक शाम को उन सभी लोगों को पिज्जा की पेशकश की, जिन्होंने उनकी मदद की थी। हालत में और सुधार होने के बाद पोप ने डॉक्टरों से घर जाने की अनुमति मांगी, जो उन्हें मिल भी गई। हॉस्पिटल से निकलने के बाद पोप वेटिकन सिटी में स्थित कासा सांता मार्टा के अपने घर आ गए। डॉक्टरों के मुताबिक उन्हें पूरी तरह से स्वस्थ होने में दो महीने और आराम की जरूरत होगी। वेटिकन के कार्डिनल विक्टर मैनुअल फर्नांडीज ने 21 मार्च को बताया था कि पोप फ्रांसिस धीरे-धीरे अपनी ताकत हासिल कर रहे हैं।

गाजा में पहली बार हमास का विरोध

जंग से ऊब सड़कों पर उतरे हजारों फिलिस्तीनी, हमास को उखाड़ फेंकने के नारे लगाए

एजेंसी

गाजा, गाजा में पहली बार हमास के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। मंगलवार को 3 जगहों पर विरोध प्रदर्शन हुए, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। लोगों ने हमास को आतंकी संगठन कहा और सत्ता छोड़ने की मांग की। दरअसल, यहां के लोग इजराइल-हमास जंग से परेशान हो चुके हैं। सड़कों पर उतरे लोगों ने हमास बाहर जाओ, हमास आतंकी है, हम हमास को उखाड़ फेंकना चाहते हैं के नारे लगाए। साथ ही जंग खत्म करो और फिलिस्तीन में बच्चे जीना चाहते हैं, लिखे पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। हमास के हथियारबंद लड़ाकों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों के साथ मारपीट की और उन्हें अलग-थलग करने की कोशिश की। इन प्रदर्शनों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कतर की सरकार से फंडेड एक न्यूज चैनल को भी निशाने पर लिया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हमास के विरोधियों ने टेलीग्राम पर प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की थी, जिसके बाद लोग लामबंद हुए। मोहम्मद नाम के एक व्यक्ति ने न्यूज एजेंसी को बताया, मुझे नहीं पता कि प्रोटेस्ट का आयोजन किसने किया। मैंने बस इसमें इसलिए हिस्सा लिया क्योंकि मैं जंग से थक चुका हूं। मोहम्मद ने पहचान जाहिर होने के डर से अपना पूरा नाम नहीं बताया। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, लोग मीडिया से इन घटनाओं को कवर करने की मांग कर रहे हैं। लोग आजादी की मांग कर रहे हैं, वे गाजा के खिलाफ दुश्मनी को रोकने की मांग कर रहे हैं। वे शांति और इस जंग को खत्म करने की मांग रहे हैं। हालांकि हमास के समर्थकों ने इन प्रदर्शनों पर ध्यान न देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इनमें हिस्सा लेने वाले गद्दार हैं। इजराइल के साथ जंग के बाद हमास के आलोचकों की संख्या बढ़ गई है। आखिरी बार सितंबर 2024 में फिलिस्तीनी सेंटर फॉर पॉलिसी एंड सर्वे रिसर्च (पीसीपीएसआर) ने गाजा में सर्वे किया था। इसमें 35% लोगों ने हमास का समर्थन और 26% ने विरोध किया था। एक साल पहले अक्टूबर 2023 में 71% लोगों ने हमास का समर्थन किया था जबकि उनके विरोध में 21% लोग थे। हमास (हरकत अल-मुकावमा अल-इस्लामिया) की स्थापना 1987 में हुई थी। इसका मकसद इजराइल के खिलाफ संघर्ष और फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना करना था। 25 जनवरी 2006 को हुए फिलिस्तीनी विधायी चुनावों में हमास को पहली बार जीत मिली थी। हमास ने 132 में से 74 सीटें जीतीं, जबकि उसके विरोधी फतह को केवल 45 सीटें मिलीं। इस जीत ने हमास को फिलिस्तीनी प्राधिकरण (पीए) में सत्ता का हिस्सा बनने का मौका दिया। हालांकि फतह और हमास के बीच जून 2007 में हिंसक संघर्ष छिड़ गया था, जिसमें 600 से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसमें हमास को जीत मिली थी।

47 साल जेल में बिताए, फिर निर्दोष साबित

जापान सरकार देगी 12 करोड़ मुआवजा; बॉस की हत्या के आरोप में मौत की सजा मिली थी

एजेंसी

टोक्यो, जापान की सरकार ने 89 साल के इवाओ हाकामाता को हत्या के झूठे आरोप में 47 साल जेल में रहने के बदले 12 करोड़ रुपए का मुआवजा देने का फैसला किया है। हाकामाता को 1968 में गिरफ्तार किया गया था। वह 2014 तक सजा काट रहे थे। पिछले साल सितम्बर में जापान के शिजुओका शहर की एक अदालत ने उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया था। उन्हें 1966 में अपने बॉस, उसकी पत्नी और उनके दो बच्चों

की हत्या, घर में आग लगाने और 200,000 येन (जापानी करेंसी) चुराने के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई थी। बहन सबूत जुटाकर भाई को निर्दोष साबित कराया हाकामाता की बहन हिदेको ने अपने भाई को बेगुनाह साबित करने के लिए कई सालों तक मेहनत करके सबूत जुटाए। जिसके बाद कोर्ट ने 2014 में इस केस की फिर से सुनवाई शुरू की और हाकामाता को जेल से रिहा कर दिया। हिदेको ने कहा कि मैं इस दिन का 57 साल से इंतजार कर रही थी और वह दिन आ गया। आखिरकार मेरे कंधों से एक बोझ उतर गया। ज्यादा उम्र और बिगड़ती मानसिक स्थिति की वजह से उन्हें केस की सुनवाई में शामिल होने से छूट दी गई थी। वह अपनी 91 साल की बहन हिदेको की देखरेख में रह रहे थे। पीड़ितों के डीएनए ने हाकामाता के डीएनए मेल नहीं खाया गिरफ्तारी के बाद हाकामाता ने शुरू में तो सभी आरोपों से इनकार किया था, लेकिन बाद में आरोपों को स्वीकार कर लिया था। सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि हाकामाता की पिटाई करके उनसे जबरन कबूलनामा लिया गया था। उनके वकीलों ने कहा कि पीड़ितों के कपड़ों से मिला डीएनए और हाकामाता का डीएनए मेल नहीं खाता है। आरोप लगाने के लिए झूठे सबूत गढ़े गए थे।

गोरखाओं का भाजपा पर से भरोसा उठ रहा, दार्जिलिंग के एमएलए ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

दार्जिलिंग से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक नीरज जिम्बा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर लंबे समय से चले आ रहे गोरखालैंड मुद्दे के स्थायी राजनीतिक समाधान के लिए तत्काल बातचीत शुरू करने का आग्रह किया है। अपने पत्र में जिम्बा ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा भारतीय गोरखाओं से किए गए वादों को पूरा करने की मांग की है, साथ ही समुदाय के भीतर बढ़ते मोहभंग को भी उजागर किया है। जिम्बा लिखते हैं

पश्चिम रेलवे

सुपरस्ट्रक्चर के इंटरफेस पर उपकरण उपलब्ध कराना

उप मुख्य अभियंता (ब्रिज-लाइन), पश्चिम रेलवे, दादर, ई-निविदा सूचना क्रमांक DYCE-BR-DDR-2025-02, दिनांकः 24.03.2025 आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नामः** पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल में नई पीढ़ी के इंजनों द्वारा लगाए गए उच्च कर्षण प्रयासों के कारण पुल 163, 440 और 442 पर बढ़े हुए अनुदैर्ध्य बल को कम करने के लिए सुपरस्ट्रक्चर या सुपरस्ट्रक्चर और सबस्ट्रक्चर के इंटरफेस पर उपकरण उपलब्ध कराना, स्थापना और सत्यापन के साथ। **कार्य की अनुमानित लागतः**15869610/-। **ईएमडीः** 229400/-। **निविदा जमा करने की तिथि और समयः** 21.04.2025, 15:00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि और समयः** 21.04.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं 1233

Like us on facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - राजकोट डिवीज़न

विभिन्न इंजीनियरिंग कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या 43 वर्ष 2024-25 दिनांक 25/03/2025

क्र.सं.	ई-निविदा सं. एवं कार्य का नाम	अनुमानित एनआईटी लागत	ईएमडी लागत
1	DRM-RJT-2024-25-E-85 राजकोट डिवीजनः- राजकोट-हडमतिया सेक्शन के अंतर्गत वंदे भारत ट्रेन के संबंध में पशु बाड़ लगाने का कार्य।	28,34,99,210.24	15,67,500.00
2	DRM-RJT-2024-25-E-86 राजकोट डिवीजन फेज-1 के अंतर्गत वांकानेर यार्ड की यात्री परिचालन लाइनों का सुधार एवं उन्नयन	2,24,01,667.95	2,62,000.00

निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 18/04/2025 को 15:00 बजे. **कार्यालय का पता :** मण्डल रेल प्रबन्धक (इंजी.), पश्चिम रेलवे, कोठी कम्पाउण्ड, राजकोट, गुजरात 360001 **वेबसाइट :** www.ireps.gov.in 186

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

रुचि की अभिव्यक्ति के लिए आमंत्रण

मुंबई सेंट्रल डिवीजन, पश्चिम रेलवे, कम उपयोग वाले स्टेशनों का व्यावसायिक उपयोग।

आमंत्रणः मुंबई सेंट्रल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल डिवीजन के कम उपयोग वाले स्टेशनों के व्यावसायिक उपयोग के लिए फर्मों और व्यक्तियों से मुहरबंद रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करते हैं। ईओआई दस्तावेज़ः योग्यता मानदंड, जमा करने की आवश्यकताएं, उद्देश्य, कार्य का दायरा और मूल्यांकन मानदंड का विवरण देने वाला ईओआई दस्तावेज़ यहां डाउनलोड के लिए उपलब्ध हैः https://wr.indianrailways.gov.in/

जमा करने की अंतिम तिथिः सीलबंद लिफाफे, जिन पर स्पष्ट रूप से' मुंबई सेंट्रल डिवीजन, पश्चिम रेलवे, कम उपयोग वाले स्टेशनों के व्यावसायिक उपयोग के लिए रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई)' लिखा हो, उन्हें 'वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, वाणिज्यिक शाखा, मुंबई सेंट्रल डिवीजन, पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल स्टेशन, मुंबई-400008' पर निर्दिष्ट ड्रॉप बॉक्स में जमा किया जाना चाहिए। सीलबंद ईओआई जमा करने की अंतिम तिथि 07 अप्रैल, 2025 को 15:00 बजे (3:00 बजे) है।

अधिक जानकारीः अतिरिक्त जानकारी के लिए, कृपया कार्य समय के दौरान विज्ञापन अनुभाग, वाणिज्यिक शाखा, डीआरएम कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, पश्चिम रेलवे, मुंबई-400008 से संपर्क करें।

अस्वीकरणः मुंबई सेंट्रल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक या उनके नामित प्रतिनिधि, इस ईओआई को रद्द करने या संशोधन के साथ या बिना किसी दायित्व या दायित्व के, और बिना कारण बताए संशोधित ईओआई जारी करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। यहाँ दी गई जानकारी सांकेतिक है और अंतिम ईओआई में संशोधन या परिवर्धन के अधीन है। 1231

Like us on facebook.com/WesternRly follows us on twitter.com/WesternRly

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बोले, विधायिका और न्यायपालिका एक दूसरे के खिलाफ नहीं

एजेंसी

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका एक दूसरे के खिलाफ नहीं हैं और उन्हें नियंत्रण और संतुलन के साथ मिलकर काम करना होगा। उन्होंने यह टिप्पणी राज्यसभा में एक दिन पहले की गई टिप्पणी के बाद किया है जिसमें उन्होंने कहा था कि चीजें अलग होतीं। यदि न्यायिक नियुक्तियों के लिए तंत्र - राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) का संदर्भ देते हुए - को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रद्द नहीं किया गया होता। उन्होंने, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के नई दिल्ली स्थित घर पर नोटों की गड्डियां मिलने पर उठे विवाद की पृष्ठभूमि में न्यायपालिका और विधायिका के अधिकारों पर चर्चा करने के लिए कल मंगलवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की शाम साढ़े चार बजे एक बैठक बुलाई थी। उन्होंने कहा, मुझे सदन को यह बताना होगा कि कल हमने उस मुद्दे पर बहुत ही सार्थक बातचीत की, जो जनता के मन में हलचल मचा रहा है। कल संपन्न हुई इस बैठक में सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता मौजूद

बैठक में सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता मौजूद थे। सभापति ने बैठक का विस्तृत ब्यौरा न देते हुए कहा कि विचार-विमर्श आम सहमति से हुआ, जिससे सहयोग और चिंता का पता चलता है।

थे। सभापति ने बैठक का विस्तृत ब्यौरा न देते हुए कहा कि विचार-विमर्श आम सहमति से हुआ, जिससे सहयोग और चिंता का पता चलता है। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा संस्थाओं के बीच का नहीं है। उन्होंने कहा ऐसा नहीं है कि कार्यपालिका, विधायिका या न्यायपालिका एक-दूसरे के खिलाफ खड़ी हैं। धनखड़ ने कहा, देश में सभी संस्थाओं को एक साथ मिलकर काम करना होगा... और साथ ही, निगरानी और संतुलन भी होना चाहिए, जिसका उद्देश्य अच्छा है। बैठक में हुए विचार-विमर्श का ब्यौरा दिए बिना, सभापति ने कहा कि सदन के नेता और विपक्ष के नेता दोनों ने कहा कि अपने-अपने दलों के भीतर व्यापक विचार-विमर्श करने के बाद, वे आगे की चर्चा के लिए उनके पास आएंगे। उन्होंने कहा, सदन के नेता और विपक्ष के नेता दोनों ने अन्य लोगों के साथ अपने विचार साझा करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला है।

'स्तन पकड़ना और लड़की की सलवार की डोरी खींचना बलात्कार का प्रयास नहीं'

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

शीर्ष अदालत ने कहा कि फैसला अचानक नहीं लिया गया और फैसला सुरक्षित रखने के चार महीने बाद दिया गया, इसलिए इसमें दिमाग का इस्तेमाल किया गया।

एजेंसी

संवेदनहीनता को रेखांकित करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आज बाल उत्पीड़न के एक मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें न्यायाधीश ने कहा था कि स्तन पकड़ना और पायजामे की डोरी खींचना बलात्कार के प्रयास के बराबर नहीं है। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि फैसले में कुछ टिप्पणियों को देखकर दुख हुआ और उन्होंने इस मामले पर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा।

सुप्रीम कोर्ट ने 'स्तन पकड़ना बलात्कार नहीं' संबंधी अपने आदेश पर रोक लगाई

शीर्ष अदालत ने कहा कि फैसला

अचानक नहीं लिया गया और फैसला सुरक्षित रखने के चार महीने बाद दिया गया, इसलिए इसमें दिमाग का इस्तेमाल किया गया। जस्टिस बीआर गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा, हमें यह कहते हुए दुख हो रहा है कि यह फैसले के लेखक की ओर से संवेदनशीलता की कमी को दर्शाता है। यह अचानक नहीं लिया गया और फैसला सुरक्षित रखने के चार महीने बाद दिया गया। इस प्रकार, इसमें दिमाग का इस्तेमाल किया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, हम आमतौर पर इस स्तर पर स्थगन देने में हिचकिचाते हैं। लेकिन चूंकि पैरा 21, 24 और 26 में की गई टिप्पणियां कानून के सिद्धांतों से अनभिज्ञ हैं और अमानवीय दृष्टिकोण को दर्शाती हैं, इसलिए हम इन टिप्पणियों पर रोक लगाते हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से सहमति जताते हुए कहा कि कुछ फैसलों में उन्हें रोकने के कारण होते हैं। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, यह एक गंभीर मामला है। न्यायाधीश की ओर से पूरी तरह से असंवेदनशीलता। यह समन जारी करने के चरण में हुआ! हमें न्यायाधीश के खिलाफ ऐसे कठोर शब्दों का इस्तेमाल करने के लिए खेद है। अदालत इस मामले की सुनवाई स्वतः संज्ञान से कर रही थी, जब 'वी द वूमन ऑफ इंडिया' नामक संगठन ने उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी थी। पीड़िता की मां ने भी शीर्ष अदालत में अपील दायर की है और इसे स्वतः संज्ञान मामले के साथ जोड़ दिया गया है।

असंवेदनशीलता है ये...

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा ने 17 मार्च को यह फैसला सुनाया। न्यायाधीश बलात्कार से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत निचली अदालत द्वारा आरोपियों को समन जारी करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहे थे।

दिल्ली की साफ-सफाई को लेकर सख्त सीएम रेखा गुप्ता

मेट्रो पिलर पर लगे पोस्टर और होर्डिंग्स हटाने का दिया निर्देश

एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मेट्रो खंभों का निरीक्षण किया और मेट्रो खंभों पर लगे पोस्टर और होर्डिंग्स हटाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी को भी सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का अधिकार नहीं है। अगर हमें सुंदर और स्वच्छ दिल्ली चाहिए तो यहां सभी का सहयोग चाहिए। किसी को भी सरकारी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए। मेट्रो के खंभे दिल्ली की खूबसूरती हैं और हमें यहां पोस्टर और होर्डिंग नहीं चिपकाने चाहिए। इससे पहले रेखा गुप्ता ने बजट पेश करने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और कहा

कि दिल्ली सरकार ने इस बार यमुना सफाई, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे, पानी और कनेक्टिविटी सहित 10 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है, उन्होंने जोर देकर कहा कि यह राष्ट्रीय राजधानी को आत्मनिर्भर बनाने का रोडमैप है। सीएम रेखा गुप्ता ने यमुना सफाई, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे, पानी और कनेक्टिविटी सहित दस फोकस क्षेत्रों के साथ 1 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया, उन्होंने जोर देकर कहा कि यह राष्ट्रीय राजधानी को आत्मनिर्भर बनाने का रोडमैप है। उन्होंने कहा, शिक्षा क्षेत्र में 2024-2025 में 16,396 करोड़ रुपये खर्च किए जाने थे, जिसे हमने अपने बजट में बढ़ाकर 19,291 करोड़ रुपये कर दिया है और इसमें 17% की वृद्धि की है... हमने परिवहन क्षेत्र के बजट में 73% की वृद्धि की है। आवास और शहरी विकास के बजट में 9% की वृद्धि की है।

संक्षेप

भदैंया में सफाई व्यवस्था बदहाल

दो साल से बंद पड़ा कचरा प्रबंधन केंद्र, ग्रामीण परेशान

सुलतानपुर, भदैंया पंचायत में स्थिति चिंताजनक हो गई है।विकास खंड की सबसे बड़ी इस पंचायत में एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र पिछले दो साल से बंद पड़ा है। 13 हजार की आबादी वाले इस गांव में अब हर तरफ कूड़े के ढेर दिखाई दे रहे हैं।स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राजकीय बालिका कॉलेज, प्राथमिक विद्यालय, जूनियर हाई स्कूल, कृषि बीज गोदाम, मंदिर और पंचायत भवन तक नहीं बख्शे गए हैं।गलियों, सड़कों और हाइवे के किनारे भी कचरा फैला हुआ है। कचरे से निकलने वाली दुर्गंध से स्थानीय निवासियों का जीना मुश्किल हो गया है। पंचायत ने इस केंद्र पर 5 लाख रुपए खर्च किए हैं। तीन सफाई कर्मचारी भी नियुक्त हैं, लेकिन व्यवस्था ठप पड़ी है। कूड़े के ढेर से संक्रामक बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। सहायक विकास अधिकारी सतीश श्रीवास्तव का कहना है कि पंचायत सचिव ऋषिकेश मिश्रा से बात कर जल्द ही केंद्र को चालू करवा दिया जाएगा।

यूपी के मंत्री का सपा सुप्रीमो पर वार

बांदा में नंद गोपाल नंदी बोले- अखिलेश को विरासत में मिली गद्दी, बुद्धि नहीं

बांदा, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नंद गोपाल नंदी ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा प्रहार किया है। योगी सरकार के 8 साल पूरे होने के अवसर पर बांदा में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री नंदी ने कहा कि अखिलेश यादव को विरासत में गद्दी तो मिली, लेकिन बुद्धि नहीं मिली। उन्होंने कहा कि अखिलेश के डीएनए में सनातन विरोध है। उनके पिता मुलायम सिंह यादव ने राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। अब अखिलेश कुछ लोगों को खुश करने के लिए सनातन और हिंदुओं के विरोध में बोलते हैं। मंत्री ने अखिलेश के कार्यकाल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब अखिलेश सत्ता में थे, तब वह लैपटॉप पर वीडियो गेम खेलने में समय बर्बाद करते थे।

पंचायत ने काजी बुलाकर कराया निकाह

घर वालों ने प्रेमी-प्रेमिका को पकड़ा था, पुलिस की धमकी के बाद माना लड़का पक्ष

अमरोहा, डिडौली कोतवाली क्षेत्र से एक अनोखी शादी का मामला सामने आया है। एक किसान की 22 वर्षीय बेटी का पड़ोस के गांव के एक युवक से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। दोनों परिवार की नजरों से बचकर मिलने की कोशिश करते थे। एक रात युवती ने अपने प्रेमी को घर बुला लिया। परिजनों की नींद खुल गई और उन्होंने दोनों को घर में पकड़ लिया। युवक मौके से भाग गया। अगली सुबह यह बात पूरे गांव में फैल गई। बदनामी से बचने के लिए लड़की के परिवार ने बिरादरी के लोगों से संपर्क किया। परिजनों को भी बुलाया गया गांव में पंचायत बुलाई गई।

हाईकोर्ट में वकीलों की हड़ताल, हजारों मुकदमों में लगीं तारीखें

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ गुस्सा, कैट के वकीलों ने भी ठप किया काम

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकीलों की हड़ताल जारी है। भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का स्थानांतरण इलाहाबाद हाईकोर्ट करने का सुप्रीम कोर्ट का निर्णय हाईकोर्ट बार एसोसिएशन को कतई मंजूर नहीं है। बार एसोसिएशन के ऐलान पर हाईकोर्ट के वकीलों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। भी वकीलों के हड़ताल पर रहने से 10 हजार से अधिक मुकदमों की सुनवाई नहीं हो सकेगी। यूपी के अन्य जिलों से आने वाले वादकारी परेशान हहैं। इस मामले पर हंगामा बढ़ता जा रहा है। पूरे दिन वकीलों ने सुदंर कांड का पाठ किया। यह कहकर हनुमान चालीसा का पाठ किया कि सुप्रीम कोर्ट के जजों को सदबुद्धि आए। अलग अलग मंचों से वकीलों ने हुंकार भरी। बुधवार को भी हाईकोर्ट के कई गेटों पर विरोध प्रदर्शन की तैयारी है। हाईकोर्ट बार के ऐलान पर कैट के वकील भी हड़ताल पर चले गए हैं, ऐसे में वहां भी कामकाज ठप है। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने साफ कर दिया है कि वह झुकेंगे नहीं। हड़ताल पूरी तरह जारी रहेगी। जंब तक सुप्रीम कोर्ट अपना फैसला वापस नहीं लेता इस मामले पर वातार्लाप नहीं होगी।

बार एसोसिएशन ने बैठक बुलाई है। इसमें आंदोलन को और धार देने पर चर्चा होगी। हड़ताल शुरू होने के बाद से किसी भी वकील को परिसर में जाने नहीं दिया जा रहा है। वकीलों के न्यायिक कार्य से विरत रहने के कारण न्यायालय में कामकाज बुरी तरीके से प्रभावित है। वकीलों के अदालत न आने की वजह से हजारों मुकदमों में तारीख लग गई। न्यायाधीश अपने तय समय पर अदालत आ रहे हैं। वकील कोर्ट रूम पहुंच उन्हें हड़ताल के बारे में अवगत करा रहे हैं।

अवधी बोली के प्रचार प्रसार में जुटे प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री महाराज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अयोध्या। भारत की प्राचीन शिक्षा व्यवस्था गुरुकुल को अंग्रेजों ने सबसे पहले समाप्त किया और उसकी जगह अंग्रेजी भाषा को थोप दिया। इससे हमारी मूल भाषा, बोली का प्रभाव कम होता जा रहा है। यह कहना है ज्योतिषाचार्य अतुल शास्त्री जी का। अवध में जन्मे शास्त्री जी अपनी मूल बोली अवधी को नई पहचान दिलाने और उसके प्रचार प्रसार के लिए मेहनत कर रहे हैं। शास्त्री जी आम जनमानस को जागरूक कर रहे हैं। पंडित अतुल शास्त्री ने कहा कि हर भाषा बोली की अपनी पहचान एवं अस्मिता होती है। उनका संरक्षण किया जाना चाहिए। हिंदी को समाज एवं साहित्य में उत्कृष्ट स्थान दिलाने के लिए क्षेत्रीय बोलियों का महत्वपूर्ण योगदान है। इसलिए अवधी बोली को बढ़ावा देकर, हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर सकते हैं. ज्योतिष गुरु पंडित अतुल ने कहा कि मूल बोलियों के महत्व को बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष ने पहल शुरू की है। इसके तहत विधायकों को अपनी स्थानीय बोली में समस्या उठाने का मौका दिया, इसके लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहिए।शास्त्री जी ने कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है और यह सभी भाषाओं और बोलियों को एक दूसरे से जोड़ती है।अवधी भाषा भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।अवधी बोली में साहित्य और कला के कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं, रामचरितमानस आज पूरे विश्व में पढ़ा जा रहा है और ऐसा ही सभी विधा को जन जन तक पहुंचाना जरूरी है। गौरतलब है कि पंडित अतुल शास्त्री अवधी बोली के प्रचार प्रसार के लिये प्रसिद्ध कथाकार कौशलेंद्र महाराज के सानिध्य में अवध प्रान्त के साहित्य, मीडिया, कवि, खेल, यूट्यूबर सहित हर क्षेत्र की हस्तियों को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहे हैं।इसी कड़ी में ममता संदीपन मिश्रा से पवन गोस्वामी सविता पेंटर लक्ष्मी वर्मा एस डी मिश्रा अनमोल पाण्डेय पीयूष पाण्डेय गुड़िया यादव सुनीता सिंह अविनाश सिंह बब्बू टाइग और बहुत लोगों से अतुल शास्त्री स्वयं मुलाकात कर रहे हैं। इसके तहत श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान अवधी बोली के प्रचार प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले लोगों का सम्मान किया जाएगा।

ढुर्गेश सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि देने पहुँचे उ.प्र.के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जौनपुर ,पूर्व सांसद एवं क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर हरिवंश सिंह के छोटे सुपुत्र और शाहगंज के विधायक रमेश सिंह के छोटे भाई दुर्गेश सिंह के निधन पर उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मंगलवार को उनके पैतृक आवास जौनपुर स्थित बस्ती बंदगान पहुँच कर दिवंगत आत्मा के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया और मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा की यह समाज के लिए अपूर्णीय क्षति है.इसी कड़ी मे शोक संवेदना मे पूर्व MLC विद्यासागर सोनकर, पूर्व कर्नल रामदास द्विवेदी,वरिष्ठ भाजपा नेता रजनीश सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी धमार्पुर राजेश कुमार वैश्य,अध्यक्ष शिक्षा संघ सुईथाकला सुधाकर सिंह, सहित समस्त प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और क्षेत्रवासियों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना किया।

यूपी सरकार के 8 साल पूरे होने पर प्रदर्शनी

मथुरा में विधायक पूरन प्रकाश ने किया उद्घाटन, सरकारी योजनाओं की जानकारी दी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, फरह विकास खंड कार्यालय में एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी उत्तर प्रदेश सरकार के सफल 8 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में लगाई गई। क्षेत्रीय विधायक पूरन प्रकाश ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

उन्होंने सरकार की सेवा, सुरक्षा और सुशासन नीतियों की सराहना की। प्रदर्शनी में विभिन्न स्टॉल लगाए गए। इनमें फूड कोर्ट, रोजगार मेला, आरोग्य मेला और ऋण वितरण से जुड़ी जानकारियां शामिल थीं। कई सरकारी विभागों ने अपनी उपलब्धियां प्रदर्शित कीं।

इनमें उद्योग, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, दिव्यांगजन, पंचायती राज, आवास और रोजगार विभाग शामिल थे। जल निगम, प्राथमिक शिक्षा, पुलिस, कृषि और उद्यान विभाग ने भी अपनी योजनाएं प्रदर्शित कीं। अल्पसंख्यक कल्याण, सहकारिता, खेल, कौशल विकास, वन विभाग और श्रम विभाग की योजनाओं को भी प्रदर्शित किया गया। बाल विकास और पशुपालन विभाग ने भी अपनी उपलब्धियां साझा कीं। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना था।

तीन गांवों की मुख्य सड़क जर्जर

अमेठी में गौरीगंज विकास भवन से जुड़े मार्ग पर आए दिन हो रही दुर्घटनाएं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, अमेठी जिला मुख्यालय गौरीगंज में विकास भवन से जुड़ी एक महत्वपूर्ण सड़क की स्थिति अत्यंत खराब हो चुकी है। यह सड़क अरगवां और अमिया गांव को जोड़ती है। सड़क की दयनीय स्थिति के कारण स्थानीय निवासियों को प्रतिदिन जोखिम भरी यात्रा करनी पड़ती है। सड़क से पत्थर उखड़ गए हैं, जो दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। इस मार्ग पर पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

ई-रिक्शा और मोटरसाइकिल के पलटने की घटनाएं आम हो गई हैं। स्थानीय लोगों को मुख्यालय आने-जाने के लिए इसी खतरनाक मार्ग का उपयोग करना पड़ता है। ग्रामीणों की सुरक्षा को देखते हुए इस सड़क की तत्काल मरम्मत की आवश्यकता है। यह मार्ग तीन महत्वपूर्ण गांवों को जोड़ता है और इसकी खराब स्थिति से क्षेत्र के निवासियों को दैनिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सपा का योगी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

अमेठी में जयसिंह यादव ने कहा- किसान, नौजवान और व्यापारी सभी ठगा महसूस कर रहे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के 8 साल पूरे होने पर समाजवादी पार्टी ने विरोध प्रदर्शन किया। अमेठी के बासुपटी गांव में सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव के नेतृत्व में कार्यकताओं ने तख्ती और बैनर लेकर प्रदर्शन किया। जयसिंह यादव ने कहा कि योगी सरकार में उत्तर प्रदेश का विकास रुक गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा। आवारा पशु खेतों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है और परीक्षाओं से पहले पेपर लीक हो रहे हैं। सपा नेता ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है। महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। महंगाई से आम जनता परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार धर्म और जाति के नाम पर लोगों में नफरत फैला रही है। प्रदर्शन में रामबली, अनिल यादव, दयाराम, राकेश पाल, विजय, शिवम सिंह, पवन गौतम, सौरभ, रामजी, सत्ते और सुधांशु शर्मा समेत कई महिला कार्यकर्ता शामिल हुईं। सपा नेता ने कहा कि जनता अब पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी की सरकार चाहती है।

एएमयू में तैयार हुई ब्रेन कैंसर की दवा

कीमोथैरपी से भी ज्यादा कारगर है दवाई, पहला स्टेज क्लियर होने के बाद मिला पेटेंट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, मुस्लिम विश्वविद्यालय ने ब्रेन कैंसर के इलाज के लिए दवा खोज निकाली है। मेडिकल कालेज के मेडिसिन डिपार्टमेंट के इंटरडिसिप्लिनरी ब्रेन रिसर्च सेंटर में ब्रेन कैंसर के उपचार के लिए इसे तैयार किया गया है। शोधकताओं ने कई महीने की मेहनत के बाद इसे तैयार करने में सफलता पाई है।शोधकताओं ने पहले चरण का ट्रायल सफलता पूर्वक पूरा भी कर लिया है और इसका पेटेंट भी कराया है।एएमयू मे विकसित किए गए इस नए यौगिक एआरएसएच-क्यू को भारतीय पेटेंट प्रदान किया गया है। शुरूआत में किए गए परीक्षण में इस दवा ने शोधकताओं को बेहतरीन रिजल्ट दिए हैं, जिसके बाद तेजी से इसके काम को पूरा किया जा रहा है। एएमयू के डॉ. मेहदी हयात शाही ने बताया कि यह यौगिक जेएन मेडिकल कालेज के मेडिसिन डिपार्टमेंट के इंटरडिसिप्लिनरी ब्रेन रिसर्च सेंटर और एप्लाइड केमिस्ट्री विभाग ने एक साथ मिलकर तैयार किया है। गहन शोध और परीक्षण के बाद इसे तैयार किया गया है। एआरएसएच-क्यू ने ब्रेन कैंसर कोशिकाओं को रोकने में असाधारण क्षमता दिखाई है।विशेष रूप से उन स्टेम कोशिकाओं को जो रेडिएशन और कीमोथेरेपी के प्रति प्रतिरोधक होती हैं।यह दवा ब्रेन कैंसर को दोबारा होने और मृत्यु दर को कम करने अधिक प्रभावी है। यह दवा ब्रेन कैंसर से पीड़ित लोगों के लिए काफी लाभकारी सिद्ध होने वाली है। ब्रेन कैंसर की दवा खोजने में अहम रोल निभाने वाले डॉ मेहदी हयात शाही 2005 से ब्रेन कैंसर पर शोध कर रहे हैं। उनकी टीम में डॉ. मुशीर अहमद, अरिफ अली, मो मुजम्मिल, बासरी और स्वालीह पी. शामिल है।शोधकताओं का उद्देश्य एक ऐसी दवा विकसित करना था, जो वर्तमान मानक कीमोथेरेपी दवा, टेमोजोलोमाइड से अधिक प्रभावी हो। लगातार प्रयास के बाद एआरएसएच-क्यू का विकास किया है। ब्रेन कैंसर की दवा तैयार करने वाले डॉ. मेहदी हयात शाही ने बताया कि पहले चरण के ट्रायल में दवाई ने काफी बेहतर परिणाम दिए हैं। दूसरे चरण में इस दवा का ट्रायल पशुओं पर किया जाएगा। पहले पशुओं में ब्रेन कैंसर के सेल को डेवलप किया जाएगा, इसके बाद इस दवा का प्रयोग किया जाएगा।

आवारा पशुओं से परेशान किसानों का धरना

बांदा में बोले- फसलें हो रही बर्बाद, अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बांदा, जिले की बबेरू तहसील में किसानों ने आवारा पशुओं की समस्या को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। समाजसेवी पीसी पटेल के नेतृत्व में पल्हरी के मिलाथू रोड स्थित पारा बिहारी मोड पटेल तिराहे पर किसान धरने पर बैठे हैं।

तहसील क्षेत्र के पल्हरी, बड़ागांव, आहार, मिलाथू, मवई, शिव और आलमपुर समेत कई गांवों में सैकड़ों आवारा पशु किसानों की फसलें नष्ट कर रहे हैं। किसानों ने इस समस्या को लेकर जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को कई बार लिखित शिकायत की। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने आवारा पशुओं द्वारा की जा रही फसल क्षति के सबूत के रूप में जीपीएस कैमरे से खींचे गए फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार गौ संरक्षण के लिए अरबों रुपए खर्च कर रही है। इसके बावजूद स्थानीय प्रशासन की उदासीनता से किसान नाराज हैं। उनका आरोप है कि अधिकारियों की लापरवाही उत्तर प्रदेश सरकार की छवि को नुकसान पहुंचा रही है।

ईद पर मोदी स्टाइल कुर्ता बना युवाओं की पसंद

अमेठी में टेलर्स की दुकानों पर लंबी कतारें, चिकन कुर्तों की भी बढ़ी डिमांड

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, इस बार ईद का त्योहार कुछ खास होने वाला है। यहां मुस्लिम युवाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरह कुर्ते पहनने का क्रेज देखने को मिल रहा है। बाजारों में ईद की खरीदारी के लिए भारी भीड़ उमड़ रही है। टेलर्स की दुकानों पर कपड़े सिलवाने वालों की लंबी कतारें लगी हैं। इस बार परंपरागत कढ़ाई वाले सूती कुर्तों की जगह मोदी स्टाइल के कुर्ते और रंग-बिरंगी जैकेट की मांग सबसे ज्यादा है। शहर के पुराने दर्जियों का कहना है कि मुस्लिम युवा वेस्टर्न कैजुअल के साथ-साथ मोदी कट कुर्ते पहनने की योजना बना रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की वेशभूषा और लाइफस्टाइल का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। रमजान का महीना समाप्त होने को है और ईद की तैयारियां जोरों पर हैं। दुकानदारों के अनुसार, कपड़ों की खरीदारी में मोदी कट कुर्ता सबसे अधिक लोकप्रिय है।

गर्मी में पक्षियों को पानी पिलाने की मुहिम

एबीवीपी ने शुरू किया वाटर फॉर विंग्स अभियान, 25 अप्रैल तक चलेगा कार्यक्रम

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) कुशभवनपुर ने एक अनूठी पहल की शुरूआत की है। संगठन ने पक्षियों के लिए वाटर फॉर विंग्स अभियान की शुरूआत की है। इस अभियान के तहत राणा प्रताप पी जी कॉलेज में पोस्टर विमोचन किया गया। एबीवीपी के प्रांत उपाध्यक्ष डॉ. संतोष सिंह अंश ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए मिट्टी के जलपात्र रखे जाएं। लोगों को अपनी बालकनी, छत और बगीचों में पानी के उथले कटोरे रखने के लिए प्रेरित किया जाए। डॉ. अंश ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सभी जीवों के प्रति करुणा और सहानुभूति की भावना जगाना है। साथ ही जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन को बनाए रखना है। यह अभियान 25 मार्च से 25 अप्रैल तक चलेगा। कार्यक्रम में प्रान्त एसएफडी सह संयोजक तेजस्व पाण्डेय, नगर मंत्री आदर्श शुक्ल, नगर सहमंत्री परमेंद्र सिंह मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा एफ.एल.टी.-एल.जी.-75, आर.एम. 4/4, इंदिरा नगर, सुंदर बाग, आर.डी. कुर्ला (प.) मुम्बई,400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं एस.आर. पब्लीकेशन, मोहन अर्जून कम्पाउंड गोदाम नं. 8,9,10 नीयर घाटन पाड़ा, वैशाली नगर, लास्ट बस स्टाप, दहिसर (पूर्व), मुम्बई 400068 महाराष्ट्र से मुद्रित।। सम्पादक- खुशीराम शर्मा ।।

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 02248253669,8097049935,9935750291RNI No-MAHHIN2017/74173 संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001 भारत संवाद सिटी ऑफिस- फ्लैट नंबर 24, सेकंड फ्लोर, कांटेक्टर बिल्डिंग, ब्लार्ड स्टेट, वजू कोटक मार्ग, शहीद भगत सिंह रोड, फोर्ट, मुंबई 400001 महाराष्ट्र।